54 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 24.0°c अधिकतम 33.0 °c

॥ अमृतवाणी ॥

जोश की आवाज, तर्क की आवाज से बेहतर है। जिन लोगों में जोश न हो वे इतिहास नहीं बदल सकते।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

राजनीतिक लाभ के लिये भाजपा साम्प्रदायिक माहौल बना रही है : अखिलेश यादव

वो दल कहाँ से लाऊं... जो सम्प्रदाय न देखे.....

सूर्योदय - 6:00, सूर्यास्त - 6:33 | वर्ष : 54/ अंक : 248 | मंगलवार, 08 सितम्बर 2026 | भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, द्वादशी | सम्वत 2083 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ : 4

चुनाव आते ही हिन्दू-मुस्लिम कराने के पैंतरे शुरू, मंत्री के भाई की विज्ञापन एजेंसी के होर्डिंग्स पर लगा दिये 'दंगे न भूले हैं, न भूलेंगे'

एसएसपी आवास से 100 मीटर की दूरी पर इतनी चैकिंग के बाद भी कैसे लग गए भड़काऊ होर्डिंग्स

मुजफ्फरनगर, 7 सितम्बर (बु.)। जैसा कि बुलेटिन ने रविवार रात ही लिखा था कि 2027 के चुनाव में किस तरह विपक्ष और सत्ताधारी विधायकी की सीट पर कब्जा करें, इसके लिए हिन्दू-मुस्लिमों के बंटवारे की तैयारी फिर से शुरू होने लगी है। एक तरफ सपाईयों को मस्जिद ढहने का दुख सता रहा है और दिल जार-जार रो रहा है। वहीं दूसरी ओर भाजपाई भी नए-नए कृत्य कराने में पीछे नहीं हट रहे हैं। हाल ही में भाजपा के एक समर्थक राजेश गोयल ने सपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल आदि के फोटो लगाकर उन पर काटा मार दिया था। सपाईयों ने यह फ्लैक्स फाड़ दिये थे, जिसके बाद

मुचलके पर सपा के गौरव जैन, भाजपा के राजेश गोयल व फ्लैक्स छापने वाले मुद्रक व प्रकाशक को गिरफ्तार कर मुचलका पाबंद कर छोड़ा गया था मगर रविवार की रात तो सारी हदें तब पार हो गई, जब दमदार एसएसपी के आवास से महज 50 मीटर की दूरी पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल के भाई की विज्ञापन एजेंसी भारती एडवरटाइजिंग के होर्डिंग्स पर अखिलेश यादव के होर्डिंग पर यह लिखा हुआ देखा गया 'न भूले थे, न भूले हैं, न भूलेंगे मुजफ्फरनगर दंगा'। दिन निकलने से पहले ही जब मीडिया के कैमरे में यह पोस्टर कैद हो गए तो आनन-फानन में इन पोस्टरों को हटवाने का काम प्रशासन ने कर दिखाया, जिससे शहर का माहौल दूषित होने से बच गया और शहर में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हो गई। अभी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि यह होर्डिंग किसके द्वारा लगवाए गए हैं। हालांकि इस बार की जांच में स्थिति स्पष्ट हो पाए, यह मुमकिन नहीं है, क्योंकि भाजपा की बुलडोजर सरकार में ऐसा हौसला कौन जुटा सकता है कि प्रदेश के ही राज्यमंत्री के भाई की ही विज्ञापन एजेंसी के होर्डिंगों पर रातों-रात ऐसे आपत्तिजनक फ्लैक्स लगाकर चला जाए और वह बच जाए। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद किसको इस बात का आरोपी बनाया जाता है। फिलहाल 2027 के चुनाव को देखते हुए मुजफ्फरनगर में ऐसे शगूफे वोट बंटोरने के लिए खूब छोड़े जाएंगे और पूरे जिले में विधायकी कब्जाने की होड़ आम जनता को बेवकूफ बनाकर यूं ही की जाएगी।

सांसद हरेन्द्र के फुर्र हो जाने व अखिलेश के होर्डिंग लग जाने के मामले में गुस्साए कप्तान, 4 दरोगा और 10 सिपाही निलम्बित

मुजफ्फरनगर, 7 सितम्बर (बु.)। मुजफ्फरनगर में एक ही दिन में पुलिस लापरवाही की दो घटनाएं सामने आई तो दोनों घटनाओं में एसएसपी ने अपनी दमदारी दिखाई और एक साथ 4 दरोगा और 10 सिपाही निलम्बित कर दिये। आपको बता दें कि मुजफ्फरनगर में पुलिस की एक साथ दो लापरवाही सामने आई। एक तरफ सहारनपुर जाने के लिए सांसद हरेन्द्र मलिक के घर के बाहर पुलिस का काफिला इस तरह से दिखाया गया जैसे सांसद को पूरी तरह कैद कर लिया गया हो मगर सांसद कब पीछे के दरवाजे से निकलकर अपने समर्थकों के साथ सहारनपुर

पहुंच गए, बाहर बैठे पुलिसकर्मियों को हवा तक नहीं आई। माना जा रहा है कि बाहर बैठे पुलिसकर्मियों के ढीलेपन के कारण ही सांसद के काफिले का जाने का पता ही नहीं लगा या यूं कहिए कि पुलिसकर्मियों ने सांसद पर यह कृपा खुद की, क्योंकि इतना बड़ा काफिला चोरी से तो कहीं नहीं जा सकता। वहीं दूसरा मामला स्वयं एसएसपी के बंगले से पचास मीटर की दूरी पर हैरान कर देने वाला है, जहां रातोंरात एक नहीं कई होर्डिंग दंगे की याद दिलाते हुए लगा दिये गए और किसी को हवा तक नहीं आई। दिन निकला तो चारों ओर इन होर्डिंगों की चर्चा होने के बाद तुरन्त इन होर्डिंगों को हटवा तो दिया गया मगर इस बात का खुलासा हो गया कि रात में पुलिस करती क्या है। एसएसपी ने भी इस मामले में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की और हाथों-हाथ एक्शन लेते हुए 4 दरोगा व 10 सिपाही निलम्बित कर दिये। हाथोंहाथ की गई कार्यवाही से लापरवाह पुलिसकर्मियों को सबक भी मिल गया। इस मामले में सिविल लाइन के दारोगा पंकज कुमार, मुकुल कुशवाहा, कांस्टेबल महेंद्र प्रताप सिंह, रिक्रूट कांस्टेबल विवेक कुमार, विशाल कुमार, मोनू कुमार और अमित शर्मा को निलंबित किया गया है। वहीं शहर कोतवाली के दारोगा नितिन कुमार, यशपाल सिंह, कांस्टेबल नदीम, निशांत कुमार, दीपक गौतम और दिनेश कुमार पर कार्रवाई की गई है।

हमें हिन्दू-मुस्लिम में उलझाकर बेवकूफ बनाएंगे तभी तो विकास को नजर अंदाज करवाएंगे और फिर पक्ष और विपक्ष दोनों एक ही थाली में बैठकर रोटियां खाएंगे

मुजफ्फरनगर। देश की जनता यूं तो पहले से बहुत समझदार हो चुकी है और वह बहुत कुछ याद रखती है कि किस तरह सियासत की कुर्सी पर बैठकर नेता इसी तरह उकसा- उकसाकर जनता को हिन्दू-मुस्लिम में उलझाकर लड़ाते हैं और फिर एक साथ बैठकर रोटियां खाते हैं। सियासत के ऐसे फोटो बुलेटिन के पास भरे पड़े हैं जब बड़े- बड़े नेता शुरू में तो कादिर राना जैसे नेताओं का आतंक शहर को दिखाते हैं और बाद में उन्हीं के घर शीर खाकर आते हैं। नेताजी सोचते हैं कि इस शीर के फोटो और सूचनाएं बाहर नहीं जाएंगी और चली भी गई तो भाईचारे की दुहाई देकर अपनी जान बचा ली जाएगी। जनता को साफ-तौर पर पता चल चुका है कि इस शहर का कौन सा नेता कितने पानी में है। सत्ता हो या विपक्ष अपनी अपनी कुर्सी कब्जाने के लिए ये लोग कौन से स्तर तक जा सकते हैं। अब जनता ऐसे बहकावे में आने वाली नहीं है। अब तुम कितने ही फ्लैक्स लगवा लो, इस बार मुजफ्फरनगर की जनता खुली आंख से वोट करेगी और किसी हिन्दू-मुस्लिम विवाद के झांसे में नहीं आएगी।

विकास की बात करो नेताओं, ऐसे घृणित पोस्टर लगाने से अब वोट नहीं मिलने वाले

मुजफ्फरनगर। वो दौर दूसरा था जब हिन्दू-मुस्लिम को आपस में लड़ाकर पक्ष हो या विपक्ष दोनों तरफ के नेता भोली-भाली जनता को बहका लिया करते थे और विधायकी की सीटों पर कब्जा जमा लिया करते थे। बेशक 2017 में इसी नाम पर सत्ताधारी भाजपाइयों ने जिले में पुरकाजी, चरथावल, मीरापुर, खतौली, बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर और सरधना सहित सातों सीट कब्जा ली थी मगर 2022 के चुनाव में लोग धीरे-धीरे समझने लगे कि हिन्दू-मुस्लिम को आपस में लड़ाकर दोनों पार्टियों का काम सत्ता हासिल करना रह गया है। ऐसे में 2022 के चुनाव में भाजपा का मुजफ्फरनगर जिले से सूपड़ा साफ हुआ और महज एक सीट पर ही भाजपा की जीत हुई। यह जीत भी बामुश्किल हो पाई थी, जिसमें जीत-हार का अंतर 18694 मतों का रह गया था। मगर अब 2027 का चुनाव आते-आते सदर विधानसभा सीट का भी क्या हाल है यह बुलेटिन को अपने शब्दों में बताने की आवश्यकता ही नहीं रही। जर्जर सड़कें, प्रत्येक चौराहे पर चालान के नाम पर होता आम आदमी का उत्पीड़न, 24 घंटे बिजली के दावे फेल, गली-गली में जलभराव यही सब सौगातें इस शहर को मिली हैं। अब पुनः 2027 का चुनाव लड़ने की तैयारी है, ऐसे में पक्ष हो या विपक्ष दोनों के पास जनता से वोट मांगने का कोई मुद्दा सदर विधानसभा सीट पर नहीं रह गया है। न तो सत्ताधारियों के पास आम आदमी को योगी-मोदी के नाम पर वोट बंटोरने के अलावा कुछ है और न विपक्ष के पास कोई ऐसा ठोस मुद्दा है जिस पर वह जीत हासिल कर सके। ऐसे-ऐसे ही फ्लैक्स लगवाकर लोगों को गुमराह करने के अलावा और कोई काम दोनों पार्टियों की ओर से नहीं रह गया है। इसलिए बेबस नेता हिन्दू-मुस्लिमों को फिर एक बार बांटने की कोशिश में लगे हैं, मगर उम्मीद है कि इस बार यह कोशिश नाकामयाब हो जाएगी क्योंकि हिन्दू-मुस्लिम दोनों वोटर सियासत के इन रंगों को समझ चुके हैं।

दिवंगत चितरंजन स्वरूप को हराने के लिए चुनाव में खालापार में दूध-ब्रेड बांटने के फोटो लगाकर किया गया था विधायकी पर कब्जा

मुजफ्फरनगर। इस शहर की जनता को बखूबी याद है कि सियासत के रंग कैसे-कैसे होते हैं और किस-किस तरह से भोली-भाली जनता को आसानी से बहकाया जा सकता है, क्योंकि 2015 में ऐसे ही पोस्टरों को लगवाकर गौरव स्वरूप को हराया और विधायकी पर काबिज हुआ गया था और आज 2027 में भी इन्हीं फॉर्मूलों के दम पर विकास को दरकिनार कर फिर एक बार विधायकी पर कब्जे की पक्ष और विपक्ष दोनों की तैयारी चल रही है। भाजपा की ओर से तो आठ दिन पहले यह तस्वीर जब साफ हो गयी थी, जब समाजसेवी राजेश गोयल के नाम से विपक्ष के विरोध में पोस्टर लगवाकर बिना नाम लिए भाजपा का समर्थन दर्शाया गया था और आज न जाने किसकी ओर से मंत्री के भाई की विज्ञापन एजेंसी के ऊपर सत्ता की नाक के नीचे खुलेआम कई पोस्टर दंगे के नाम से लगा दिये गए। इन पोस्टरों के लगने के बाद तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं और इन सब सवालों का सही जवाब शहर की जनता को मिल सकेगा या नहीं यह कह पाना मुश्किल है। बस सिर्फ जांच में खुलासे का इंतजार करना होगा कि इस जांच में क्या सच्चाई निकलकर आती है। अपनी ही सत्ता में अपने ही भाई की विज्ञापन एजेंसी के हॉर्डिंगों पर ऐसे पोस्टर चिपकना वह भी एसएसपी आवास से चंद कदमों की दूरी पर कोई हंसी खेल नहीं है। अब देखना है कि इस खेल के पीछे क्या खेल निकलकर आता है।

कभी अफसर हमसे वक्त मांगते थे, आज हमें अफसरों से वक्त मांगना पड़ रहा है: हरेंद्र मलिक

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (बु.)। पुलिस की चौकसी को धता बताते हुए सहारनपुर पहुंचे सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि क्या वक्त आ गया है। कभी अफसर हमसे वक्त मांगते थे और आज हमें अफसरों से वक्त मांगना पड़ रहा है। हम कमिश्नर साहब से मिलने का समय लेकर आए थे, लेकिन कमिश्नर साहब नहीं मिले। वे किसी का फोन भी नहीं उठा रहे हैं। सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर सियासी हलचल के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक पुलिस को चकमा देकर सहारनपुर पहुंच गए। इस दौरान मंडलायुक्त कार्यालय पर पहुंचे तो पता चला कि कमिश्नर वहां नहीं हैं। इस पर हरेंद्र मलिक ने नाराजगी जताई, हालांकि बाद में उन्होंने सर्किट हाउस पहुंच कर मंडलायुक्त को ज्ञापन दिया। हरेंद्र मलिक ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने पुलिस को

चकमा दिया। उन्होंने बताया कि वे मोबाइल बंद करके पैदल घर से चुपचाप निकले। कुछ दूर जाकर दूसरे फोन से कार मंगाई। सहारनपुर पहुंचने में तीन कारें बदलीं। कैराना सांसद इकरा हसन भी सहारनपुर पहुंचने में कामयाब हो गईं।

शाहपुर में पत्नी के हत्यारे को मौत की सजा, एक लाख जुर्माना

शाहपुर में शहजादी को जिंदा जलाने वाले नदीम के अपराध को कोर्ट ने बताया खौफनाक

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (बु.)। पत्नी की हत्या कर शव को जलाने के शाहपुर क्षेत्र के चर्चित शहजादी हत्याकांड में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट नंबर-3 के न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने दोषी पति नदीम को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। कोर्ट ने मामले को विरल से विरलतम श्रेणी का अपराध माना है। कोर्ट ने धारा 302 के तहत नदीम को फांसी की सजा के साथ एक लाख रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर दो वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतने के आदेश दिए है। एडीजीसी कुलदीप कुमार ने बताया कि शाहपुर थाने में दिलशाद ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी शहजादी की शादी 10 जनवरी 2015 को नदीम पुत्र सलीम निवासी सितारा मस्जिद, कस्बा शाहपुर साथ हुई थी। शादी के बाद उसकी बेटी का ससुराल पक्ष के लोग उत्पीड़न करते थे। दहेज में बाइक व एक लाख रुपये मांगते थे। उसकी बेटी ने पुत्र को जन्म दिया, उसके बाद भी ससुराल के लोग तंग करते रहे। आरोप था कि 23 जुलाई 2018 की रात के लगभग 8 बजे उसकी बेटी शहजादी को पति नदीम, ननद सोनी, व सास शमशीदा ने मारपीट की तथा मिटटी का तेल छिड़कर जिंदा जला दिया। उसकी बेटी को आरोपी मेरठ के अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए थे। जहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगभग 98 प्रतिशत रुप से जली विवाहिता की 28 जुलाई 2018 को उपचार के दौरान मौत हो गई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने आरोप-पत्र दाखिल किया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर कोर्ट ने सुनवाई के बाद ननद को दोषमुक्त कर दिया,जबकि उसकी सास की मौत होने पर उसकी फाइल उपशमित कर दी गयी है। सोमवार को कोर्ट ने

शेष समाचार : पृष्ठ-4 पर पढ़ें....

सजा: पति से सुरक्षा की उम्मीद थी, उसी ने जिंदा जला दिया

नदीम द्वारा अपनी पत्नी शहजादी पर मिट्टी का तेल डालकर उसे आग के हवाले करने को कोर्ट ने बेहद क्रूर, अमानवीय और पूर्व नियोजित माना। आदेश में कहा गया है कि मृतका शहजादी करीब 23 वर्ष की थी और वह 98 प्रतिशत तक जल गई थी। कोर्ट ने परिस्थितियों को अपराध की गंभीरता बढ़ाने वाली परिस्थितियां माना। पति जैसे व्यक्ति द्वारा पत्नी को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जिंदा जला देना कोर्ट की नजर में अपराध की गंभीरता को और बढ़ाता है। कोर्ट ने माना कि पीड़िता को अत्यधिक शारीरिक पीड़ा, भय और असहायता से गुजरना पड़ा। कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों का उल्लेख करते हुए मृत्युदंड के लिए निर्धारित सिद्धांतों पर विचार करते हुए कहा कि यह मामला विरल से विरलतम श्रेणी में आता है और आजीवन कारावास का विकल्प न्याय के उद्देश्यों के लिए अपर्याप्त है।

हत्या में फांसी, धारा 504 में दो साल की सजा

मुजफ्फरनगर। कोर्ट ने दोषी नदीम को आईपीसी की धारा 302 में मृत्युदंड और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। अर्थदंड नहीं देने पर दो वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। इसके अलावा धारा 504 के अपराध में दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने कहा कि दंड का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना और भविष्य में इस प्रकार के अपराधों को रोकने के लिए निवारक प्रभाव पैदा करना भी है। कोर्ट ने माना कि इस मामले में हत्या का तरीका पूर्व नियोजित और अत्यधिक नर्मिम था तथा मृत्युदंड से समाज में स्पष्ट संदेश जाएगा कि इस तरह के जघन्य अपराधों के प्रति कानून उदारता नहीं बरतेगा।

कोर्ट बोली: पति-पत्नी का रिश्ता साथ निभाने का होता है न कि एक-दूसरे की जान लेने का

मुजफ्फरनगर। पत्नी की हत्या के मामले में कोर्ट ने दंड के प्रश्न पर विचार करते हुए पति-पत्नी के रिश्ते, प्रेम और विश्वास पर टिके होते हैं। हजरत आदम और हव्वा की प्रेम कथा का भी विस्तार से वर्णन करते हुए कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि इस्लाम और ईसाई परंपरा में हजरत आदम को मानव जाति का आदि पुरुष तथा हव्वा को आदि नारी माना जाता है। कोर्ट के निर्णय के अनुसार आदम के अकेलेपन को दूर करने के लिए हव्वा को उनका जीवन साथी बनाया गया। दोनों को जन्नत में साथ रहने की अनुमति दी गई, लेकिन एक निषिद्ध फल खाने के बाद उन्हें जन्नत से पृथ्वी पर भेज दिया गया। इसके बावजूद आदम ने जीवनभर हव्वा का साथ निभाया और तमाम कष्टों के बीच भी उन्हें कोई कटु वचन नहीं कहा। कोर्ट ने इसे आदि पुरुष और आदि माता के प्रेम तथा पति-पत्नी के रिश्ते की मिसाल बताया। निर्णय में कोर्ट ने इस प्रेम और विश्वास के रिश्ते की तुलना मामले के दोषी नदीम के कृत्य से करते हुए कहा कि पति-पत्नी का संबंध प्रेम, सुरक्षा और भरोसे पर आधारित होता है। कोर्ट ने कहा कि आदम और हव्वा की प्रेम कहानी यह संदेश देती है कि जीवन साथी का रिश्ता साथ निभाने का होता है, न कि एक-दूसरे के जीवन को समाप्त करने का। कोर्ट ने लैला-मजनूं और शीरी-फरहाद की प्रेम कथाओं का उल्लेख करते हुए भी कहा कि सच्चे प्रेम में किसी की जान नहीं ली जाती। इसी आधार पर कोर्ट ने पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के महत्व पर विशेष टिप्पणी की।

मैं मरना पसंद करूंगा, डरपोक जज कहलाना नहीं: रवि दिवाकर

न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने अपने फैसले में व्यवस्था पर कहा: बाहुबली जातीय और राजनीतिक संरक्षण पाने वालों का नेटवर्क ऊपर तक फैला न्यायाधीश ने पूछा: अभियुक्तों को न्यायालय के चयन का अधिकार कैसे दिया जा सकता है? सवाल: न्यायाधीश बाहुबलियों, माफिया या अपराधियों के दबाव में काम करने लगे तो जनता का न्यायपालिका पर भरोसा कमजोर होगा

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (बु.)। शाहपुर शहजादी हत्याकांड में पति नदीम को फांसी की सजा सुनाने वाले एफटीसी कोर्ट नंबर-3 के जज रवि कुमार दिवाकर ने कहा कि उन्हें धमकियां दी जा रही हैं और काफिर घोषित कर हत्या की साजिश रचे जाने की बातें सामने आ रही हैं। माफिया दबाव और पीड़ितों के अधिकारों पर टिप्पणी करते हुए फैसले में लिखा है कि मैं मरना पसंद करूंगा, डरपोक जज कहलाना नहीं। अभी तक 23 फांसी की सजा सुना चुके न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए अपनी कोर्ट से मामले वापस लिए जाने पर भी सवाल उठाते हुए लिखा कि उनके माता-पिता ने उन्हें भगवान से डरने और किसी अन्य व्यक्ति से नहीं डरने की शिक्षा दी है। उन्होंने कहा कि यदि न्यायाधीश बाहुबलियों, माफिया या अपराधियों के दबाव में काम करने लगे तो जनता का न्यायपालिका पर भरोसा कमजोर होगा। उन्होंने लिखा कि यदि वह ऐसी शक्तियों से भयभीत होने लगेंगे तो उनके लिए न्यायिक संस्था से इस्तीफा देना उचित होगा। जज ने कहा कि जब तक वह अपने सिद्धांतों पर चल सकते हैं, तब तक सेवा करेंगे, अन्यथा त्यागपत्र दे देंगे। उन्होंने कहा कि वेस्ट यूपी के माफिया की पहुंच ऊपर तक है। साथ ही सवाल किया कि अभियुक्तों को न्यायालय के चयन का अधिकार कैसे दिया जा सकता है?

दिवाकर ने लिखा: माफिया व गैंगेस्टर के माध्यम से मिल रहे धमकी भरे संदेश

फैसले में न्यायाधीश ने एक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कथित माफिया/गैंगस्टर के माध्यम से धमकी भरा संदेश मिलने का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि उन्हें यह संदेश दिया गया कि अभी केवल पत्रावलियां हटवाई गई हैं और यदि उनके पीछे पड़े या टिप्पणी की तो प्रभाव का इस्तेमाल कर कोर्ट बदलवा दिया जाएगा या जिले से बाहर ट्रांसफर करा दिया जाएगा। जज ने फैसले में लिखा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ बड़े माफिया और बाहुबली जातीय और राजनीतिक संरक्षण का लाभ उठाते हैं तथा उनका नेटवर्क काफी ऊपर तक फैला हुआ है। रवि कुमार दिवाकर ने अपने साथ हुए कथित व्यवहार पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा कि वर्तमान समय में कुछ व्यवहार से वह बहुत आहत और दुखी हैं। उनके अनुसार ऐसा व्यवहार माफिया, गैंगस्टर और अपराधियों को बचाने के उद्देश्य से किया गया। जज ने लिखा कि उन्हें इसकी पूरी जानकारी है कि ऐसा क्यों हुआ, लेकिन पद की मर्यादा के कारण इस समय इस संबंध में विस्तार से बोलना उचित नहीं होगा।

अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

न्यायाधीश ने शामली के हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि आपराधिक न्याय प्रणाली में सिर्फ अभियुक्तों के अधिकारों और हितों की बात होगी या पीड़ित परिवार को भी समान रूप से सुना जाएगा। उन्होंने अंकित के माता-पिता, पत्नी और परिवार का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि क्या पीड़ित के हित और अधिकारों को न्यायिक प्रक्रिया में पर्याप्त स्थान नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या वादकारी की परिभाषा में केवल अभियुक्त को शामिल किया जाएगा और क्या पूरी आपराधिक न्याय प्रणाली सिर्फ अभियुक्तों के अधिकारों और हितों को देखेगी। सेशन मामलों में वादी मुकदमा यानी राज्य सरकार के हित और अधिकारों को नजरअंदाज कैसे किया जा सकता है और पीड़ित पक्ष को सुने बिना अभियुक्तों को न्यायालय के चयन का अधिकार कैसे दिया जा सकता है। न्यायाधीश ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि उनके और उनके परिवार की हत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने और उन्हें काफिर घोषित कर हत्या की साजिश रचे जाने की बातें सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद स्थानीय पुलिस की ओर से सुरक्षा में लापरवाही बरती जा रही है और बरेली की तुलना में सुरक्षा कम कर दी गई है। उन्होंने यह भी लिखा कि पुलिस अधिकारियों को लगता है कि सुरक्षा देकर वे कोई एहसान कर रहे हैं।

SDCET INCUBATION FORUM
IDEAS TODAY, IMPACT TOMORROW
START IN UP
गर्व का क्षण, मुजफ्फरनगर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि!
SDCET INCUBATION FORUM-अब मुजफ्फरनगर का पहला और आधिकारिक INCUBATOR!
उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त जिले के प्रथम एवं एकमात्र एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम के आधिकारिक प्रमाणपत्र का विमोचन, छात्रों द्वारा विकसित हाइब्रिड ई-रिक्शा और चैटबॉट का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं उद्यमशीलता माननीय श्री कपिल देव अग्रवाल जी द्वारा किया गया। एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम नए उद्यमियों को फाइनेंशियल ग्रांट, डिजाइनिंग, मार्केटिंग और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा। उत्तर प्रदेश के जिले मुज़फ़्फ़रनगर में अपना स्टार्टअप शुरू करने पर सरकार की ओर से विशेष अनुदान एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

अपना STARTUP JOURNEY शुरू करें आज ही!
SDCET INCUBATION FORUM
आपके सपनों को देंगे नई उड़ान!
An Initiative of -
S.D. College of Engineering & Technology
Muzaffarnagar, Uttar Pradesh
A MEDIA SOLUTION INITIATIVE
@sdcet_incubation_forum

कचरे से भरा चलता ट्रक बना आग का गोला, फायर ब्रिगेड ने बामुश्किल आग बुझाई

मीरापुर, 7 सितम्बर (बु.)। बिजनौर से ट्रक में कचरा (आरडीएफ) लेकर मुजफ्फरनगर आ रहे एक ट्रक में बीआईटी पुलिस चौकी के निकट बीती रात अचानक आग लग गई। मौके पर पहुँची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया। बीआईटी पुलिस चौकी इंचार्ज भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि भोपा थाना क्षेत्र के गांव नंगला बुजुर्ग निवासी काला पुत्र जाफर काशीपुर से ट्रक में कचरा लेकर मुजफ्फरनगर जा रहा था। जब इसका ट्रक बीआईटी पुलिस चौकी से थोड़ी दूर गांव कासमपुर खोला के निकट पहुँचा, तभी शॉर्ट सर्किट से ट्रक की टंकी में आग लग गई। चालक ने तुरंत ट्रक रोककर आग बुझाने का प्रयास किया तथा फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर पहुँची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मश्क्कत के बाद काबू पाया। पीड़ित के अनुसार आग से ट्रक में कई लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

गढ़ीदेशराज के जंगल में तेंदुए की आहट से दहशत

तितावी, 07 सितम्बर (बु.)। तितावी थाना क्षेत्र के तहत आने वाले गढ़ी देशराज गांव के जंगल में तेंदुआ दिखाई देने का दावा सामने आया है। कार में सवार एक व्यक्ति द्वारा इस संबंध में एक वीडियो बनाया गया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद से गढ़ी देशराज और उसके आसपास के पूरे ग्रामीण इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। खेती-किसानी के काम से रोजाना जंगल और खेतों की तरफ जाने वाले लोग इस खबर के बाद से काफी सतर्क हो गए हैं। स्थानीय लोग अब जंगल की ओर अकेले जाने से पूरी तरह से बच रहे हैं और अपनी सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरत रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसी व्यक्ति ने गढ़ी देशराज के जंगल वाले इलाके से गुजरते समय अपनी कार में बैठकर एक वीडियो बनाया था। उस व्यक्ति द्वारा बनाए गए इस वीडियो में दूर जंगल के रास्ते के आसपास एक जानवर चहलकदमी करता हुआ नजर आ रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहे इस जानवर के बारे में यह दावा किया जा रहा है कि वह तेंदुआ ही है। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर वायरल हुआ, वैसे ही यह खबर पूरे गढ़ी देशराज गांव और उसके आसपास के गांवों में आग की तरह फैल गई। इलाके के लोगों के बीच इस वीडियो को लेकर चर्चा बहुत तेज हो गई है। हर कोई इस वीडियो के बारे में बात कर रहा है और तेंदुए की मौजूदगी की खबर से हर कोई परेशान है। तेंदुए जैसे खतरनाक जंगली जानवर की मौजूदगी की खबर जैसे-जैसे फैली, वैसे-वैसे ग्रामीणों के मन में चिंता और डर बढ़ता चला गया। इस पूरे इलाके में बड़ी संख्या में लोग खेती-किसानी का काम करते हैं। खेती-बारी से जुड़े कार्यों के सिलसिले में ग्रामीणों का लगातार सुबह से लेकर शाम तक अपने-अपने खेतों और जंगल के आसपास के इलाकों में आना-जाना बना रहता है। ऐसे में जंगल में तेंदुए जैसा जानवर दिखाई देने की इस सूचना ने खेतों में काम करने वाले सभी लोगों को बेहद सतर्क कर दिया है। वीडियो सामने आने के बाद अब ग्रामीणों ने खेतों की तरफ अकेले जाना बंद कर दिया है। लोग अपने-अपने कामों के लिए अब अकेले जाने के बजाय समूह बनाकर एक साथ जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के खतरे से बचा जा सके। इसके साथ ही, ग्रामीण अपने घर के छोटे बच्चों को भी अकेले बाहर न भेजने और जंगल की ओर न जाने देने की सलाह एक-दूसरे को दे रहे हैं।

रेस्टोरेंट संचालक से खाना मंगवाने के नाम पर 13 हजार ठगे

मीरापुर, 7 सितम्बर (बु.)। कस्बे के एक रेस्टोरेंट संचालक से ठग ने खाना पैक करवाकर मंगवाने के नाम पर खाने के भुगतान का अधिक पेमेंट डालने का मैसेज भेजकर 13 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मीरापुर कस्बे में दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर स्थित गोल्डन टाउन रेस्टोरेंट के मालिक अकरम मेवाती के फोन पर रविवार की देर रात एक अनजान नम्बर से फोन कॉल आई फोनकर्ता ने खुद को मीरापुर नगर पंचायत में कार्यरत अजय शर्मा बताते हुए 12 लोगों का खाना पैक करने की बात कही और ऑनलाइन भुगतान करने को कहा, जिस पर रेस्टोरेंट मालिक अकरम ने खाना तैयार करा दिया। कुछ समय बाद फिर उक्त फोनकर्ता का फोन आया तथा खाने का बिल पूछा, जिस पर अकरम ने 2,500 रुपये का बिल बताया तो फोनकर्ता ने 1,500 रुपये ऑनलाइन डालने की बात कही और एक हजार रुपये आकर नकद देने की बात कहते हुए अकरम को एक बार 500 तथा दोबारा 15,000 रुपये डालने का मैसेज भेजा तथा पुनः अकरम को फोन करके गलती से 15,500 रुपये उसके खाते में आने की बात कहते हुए खाने के 2,500 रुपये काटकर बाकी रकम वापिस डालने को कहा, जिस पर रेस्टोरेंट स्वामी ने 13,000 रुपये वापिस फोनकर्ता के खाते में ऑनलाइन भेज दिए, इसके बाद काफी देर तक भी जब कोई पैक हुआ खाना लेने नहीं आया तो रेस्टोरेंट मालिक ने अजय शर्मा को फोन करके खाना ठंडा होने की बात कहते हुए पैक रखा खाना मंगवाने की बात कही, जिस पर अजय शर्मा ने बताया कि उसने तो खाने कोई ऑर्डर ही नहीं किया, जिसके बात अकरम को ठगी का अहसास हुआ। पीड़ित ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सवेरा होने पर पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है पुलिस ने मामले जांच शुरू कर दी है।

कॉलेज में चल रही थी नकली सिगरेट फैक्ट्री: लापरवाही पर चौकी प्रभारी-बीट कांस्टेबल सस्पेंड

मेरठ, 7 सितंबर (एजेंसी)। मेरठ के हस्तिनापुर के दूधली गांव में डिग्री कॉलेज की बिल्डिंग में पकड़ी गई नकली सिगरेट फैक्टरी के मामले में पुलिस की लापरवाही सामने आई है। जंबूद्वीप चौकी प्रभारी उप निरीक्षक शिवेंद्र कुमार और बीट कांस्टेबल उमेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, पुलिस ने फैक्टरी के मास्टरमाइंड की तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने इस मामले में मूल रूप से बेंगलुरु और वर्तमान में दिल्ली निवासी रवि किशोर को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। हालांकि, जांच में सामने आया है कि रवि किशोर सिर्फ मोहरा था। पुलिस को मिले सबूतों के आधार पर नकली सिगरेट बनाने के पीछे बड़े नेटवर्क की आशंका है। दूधली गांव के खादर में स्थित कॉलेज भवन में करीब आठ महीने से नकली सिगरेट बनाने का काम चल रहा था। कार्रवाई के बाद पुलिस ने रवि किशोर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह फैक्टरी का संचालन कर रहा था, लेकिन जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे किसी बड़े नेटवर्क के शामिल होने की आशंका है। एसएसपी ने जंबूद्वीप चौकी प्रभारी शिवेंद्र कुमार और बीट कांस्टेबल उमेश कुमार को क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की जानकारी और निगरानी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित किया है। मामले की विभागीय जांच सीओ मवाना को सौंपी गई है। पुलिस जांच में सामने आए सबूतों के आधार पर इस पूरे मामले के पीछे बड़े नेटवर्क की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को इसके तार विदेश तक जुड़े होने के संकेत मिले हैं। जांच में कंबोडिया से कनेक्शन की बात भी सामने आई है। फिलहाल पुलिस मास्टरमाइंड की तलाश और नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान में जुटी है।

रंगबाज दूल्हे ने 5 सेकेंड में 17 राउंड फायर किए

–बुलंदशहर में पिता बड़े मीट कारोबारी

बुलंदशहर, 7 सितंबर (एजेंसी)। बुलंदशहर में एक दूल्हे ने 5 सेकेंड में 17 राउंड फायरिंग किए। सोमवार को फायरिंग का वीडियो सामने आया तो पुलिस हरकत में आ गई। शुरूआती जांच के मुताबिक, हवाई फायरिंग करने वाला दूल्हा शहर के एक बड़े मीट कारोबारी का बेटा है। उसने अपनी शादी में रुतबा दिखाने के लिए मेहमानों के सामने जिगाना पिस्टल से फायरिंग कर पूरी मैगजीन खाली कर दी थी। तुर्किए मेड जिगाना पिस्टल भारत में बैन है। इसी पिस्टल से प्रयागराज के माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या की गई थी। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया कि वीडियो 4 साल पुराना है। अब वीडियो को वायरल करने वाले लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कूरियर ऑफिस चोरी कांड, पुलिस का अधूरा खुलासा, चार शातिर दबोचे

– 60 हजार के पार्सल में से सिर्फ 12 हजार का माल बरामद, 11 हजार नकद और प्रिंटर अभी भी गायब

भोपा, 07 सितम्बर (बु.)। थाना भोपा पुलिस ने मीशो ब्रांड के कूरियर ऑफिस में हुई चोरी का अधूरा खुलासा करते हुए चार चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ऑफिस से चोरी किए गए 40 मीशो के पार्सल और एक ई-रिक्शा बरामद करने का दावा किया है। चोरों से बरामद किए गए पार्सल मात्र 12 हजार रुपए कीमत के बताए गए हैं, जबकि ऑफिस से चोरी किए गए पार्सल की कीमत लगभग साठ हजार रुपए आंकी गई थी, वहीं पुलिस चोरों से ऑफिस से चोरी की गई 11 हजार रुपए की नकदी भी बरामद करने में नाकाम रही है। पुलिस ने इस अधूरे खुलासे के साथ गिरफ्तार किए गए चारों चोरों को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते 4 सितंबर की रात भोपा-मुजफ्फरनगर मार्ग पर स्थित मीशो के कूरियर कार्यालय में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। ऑफिस के मालिक विश्वेंद्र कुमार ने चोरी किए गए पार्सल की कीमत लगभग साठ हजार रुपए और 11 हजार की नकदी सहित प्रिंटर आदि चोरी किए जाने की बात बताते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। सोमवार को पुलिस टीम ने अथाई मार्ग से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्की निवासी रुड़की चुंगी, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर, पवन निवासी रुड़की चुंगी हाल निवासी देहरादून, अरुण निवासी शुक्रताल रोड मोरना तथा शक्ति निवासी मोरना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 40 मीशो के पार्सल और चोरी में प्रयुक्त बाइक रेहडा भी बरामद किया है। आरोपियों से बरामद पार्सल की कीमत मालिक द्वारा मात्र 12 हजार रुपए बताई है, वहीं चोरी हुई 11 हजार रुपए की नकदी और प्रिंटर आदि भी पुलिस बरामद नहीं कर पाई है। इस अधूरे खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

साकेत कॉलोनी और रुडकी रोड स्थित मजार को तुरंत हटाने की मांग

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन द्वारा नगर में रेलवे स्टेशन के सामने शत्रु संपत्ति पर मस्जिद के बराबर में खाली पड़ी 400 गज जगह पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं शत्रु संपत्ति अभिरक्षक विभाग गृह मंत्रालय और कस्टोडियन के रूप में जिलाधिकारी से मंदिर निर्माण के लिए अनुमति मांगी है। संगठन में मांग करते हुए कहा कि जब सरकार ने रेलवे स्टेशन के सामने खसरा नंबर 930 शत्रु संपत्ति जो जिला प्रशासन और सरकार खाली कराने में असमर्थ है। उक्त संपत्ति को सरकार ने वर्ग विशेष के लोगों को दे रखा है, जो संपत्ति से दुकानों का किराया तक वसूल कर रहे हैं, नवाज आदि पढ़ रहे हैं, अपने सभी कार्य पूर्ण कर रहे हैं, तो सरकार उदारता दिखाते हुए बराबर में पड़ी 400 वर्ग गज जमीन को हिंदुओं के मंदिर के लिए दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में दावा किया है कि रेलवे स्टेशन के सामने खसरा नंबर 930 की जमीन शत्रु संपत्ति के रूप में सरकारी अभिलेखों में दर्ज है। संगठन का आरोप है कि इस जमीन के एक हिस्से पर मस्जिद और अन्य निर्माण किए गए हैं, लेकिन वर्षो से मांग के बावजूद प्रशासन की ओर से कथित अवैध निर्माण को हटाने और संपत्ति पर कब्जा लेने की कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन में संगठन ने विशेष रूप से मस्जिद के बराबर में खाली पड़ी करीब 400 गज जमीन पर मंदिर निर्माण की अनुमति मांगी है। संगठन का तर्क है कि जब शत्रु संपत्ति पर मस्जिद का निर्माण हो सकता है, तो उसी स्थान पर हिंदू समाज को मंदिर बनाने की अनुमति क्यों नहीं दी जा सकती? संगठन ने कहा है कि मंदिर निर्माण के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने को वह तैयार है और प्रमुख सामाजिक एवं प्रतिष्ठित लोगों के सहयोग से मंदिर का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा संगठन में साकेत कॉलोनी में स्थित मजार और रुडकी रोड पर स्थित मजार को तुरंत हटाने की मांग प्रशासन से की है। ज्ञापन देने वालों में संजय अरोड़ा, राजीव कुमार बंसल, सरिता शर्मा अरोड़ा, प्रवीण जैन, कन्हैया लाल शर्मा, राजू वाल्मीकि, संजीव मलिक, प्रदीप कुमार, राजकुमार गर्ग, राजेश शर्मा, श्याम वर्मा, अनिल मलिक, सचिन पंवार, हरीश चौधरी, विनोद मलिक, नितिन बंसल, संजीव शर्मा, अमरीश शर्मा अनेक प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला सहकारी बैंक के सभापति सहित तीन संचालकों की कुर्सी छिनी

हाईकोर्ट ने संचालक पद से उन्हें मुक्त माना

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (बु.)। जिला सहकारी बैंक के सभापति ठाकुर रामनाथ सिंह, संचालक पंकज पाल और बिजेंद्र मलिक एडवोकेट की प्रतिनिधि समितियों के विभाजन के बाद संचालक पद की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट इलाहाबाद ने फैसला सुनाते हुए तीनों को संचालक पद से मुक्त कर दिया है। इस तरह जिला सहकारी बैंक के सभापति पद से भी ठाकुर रामनाथ सिंह की विदाई तय हो गई है। मामले को लेकर आज हाईकोर्ट की सीनियर बैंच के न्यायाधीश जेजे मुनीर और इंद्रजीत शुक्ला ने आज अपना फैसला सुनाया। संजय जैन बनाम सरकार मामले में दावा किया गया था कि संचालकों के चुनाव क्षेत्र वाली समितियों का विभाजन होने के कारण बोर्ड भंग हो गया, जिस कारण अब ठाकुर रामनाथ सिंह, संचालक पंकज पाल और बिजेंद्र मलिक एडवोकेट समितियों के प्रतिनिधि नहीं है। सहकारी बैंक के अध्यक्ष रामनाथ सिंह किसान सेवा समिति खेड़ा मस्तान, सिविल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह मलिक पीनना समिति और पूर्व अध्यक्ष सतपाल पाल के बेटे पंकज पाल मुजफ्फरनगर पश्चिमी समिति से बैंक प्रतिनिधि के तौर पर चुने गए थे। इसके बाद तीनों संचालक चुने गए। जून 2023 में ठाकुर रामनाथ सिंह को जिला सहकारी बैंक का सभापति चुना गया था। संचालक मंडल के चुनाव के समय मुजफ्फरनगर और शामली में 102 समितियां थीं, जिनका विभाजन कर वर्तमान में संख्या 122 हो गई है। याचिकाकर्ता सचिन जैन की ओर से छह महीने पहले दाखिल की गई रिट में कहा गया था कि रामनाथ सिंह की समिति कुरालसी, पंकज पाल की समिति वहलना और बिजेंद्र मलिक की लकड़संधा हो गई है। ऐसे में समितियों के विभाजन के कारण इनकी पुरानी समिति का बोर्ड भंग होने के कारण अब वह संचालक नहीं रहे।

बैंक के संचालक मंडल में सभापति रामनाथ सिंह, उपसभापति मुकेश कुमार जैन, संचालक दिनेश कुमार, राहुल राणा, संजीव कुमार, राजू अहलावत, अनार सिंह, आशीष चौधरी, सुनीता देवी, निधि त्यागी, पंकज पाल, बिजेंद्र सिंह मलिक और अमित चौधरी शामिल थे। सभापति रामनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें फैसले की मौखिक जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीति के अनुरुप जिले में पहली बार 19 नई समितियों का गठन किया गया था। इसमें उनकी लकडसंधा की पुरानी समिति से उनके गांव कुरालसी में नई समिति गठित की गई थी। हालांकि पुरानी समिति अभी भंग नहीं हुई।

आपका आज का राशिफल

मंगलवार, 08 सितम्बर, 2026

मेष- समस्याओं का संतोषजनक समाधान, स्वाध्याय की ओर रुझान, राजनैतिक क्रियाकलापों में संलग्नता, आवागमन में अनुकूलता, बकाए धन की प्राप्ति।

वृषभ- आ्थक व्यावसायिक पक्ष में निराशा, महत्वपूर्ण उपलब्धि में व्यवधान, मानसिक अशांति, वाहन से चोट-चपेट, दुर्घटना की आशंका, प्रतिष्ठा पर आघात।

मिथुन- बुद्धि-चातुर्य से कुछेक मसले हल, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, परोपकार की भावना जागृत, वैमनस्यता का समापन, विवाद समापन की ओर, भौतिक सुख।

कर्क- ग्रहयोग बेहतर, दाम्पत्य जीवन में उपस्थित व्यवधान समाप्त, नवसमाचार की प्राप्ति से खुशी, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, यात्रा सफल, कार्यक्षमता में वृद्धि।

सिंह- चिरवांछित कार्य बनने से खुशी, व्यक्तित्व का विकास, बुद्धि-चातुर्य से संकल्प सिद्धि, सामाजिक कृत्यों में अभिरुचि, जीवन साथी से सहयोग, शांति।

कन्या- समय अशुभ, शारीरिक सुख में कमी, साझेदारी के व्यापार में हानि, आरोप प्रत्यारोप की स्थिति, शत्रु प्रभावी होने की दिशा में प्रयासरत, यात्रा में कष्ट।

तुला- लाभ का सुयोग, आ्थक स्थिति में सुधार, पराक्रम में वृद्धि, वैवाहिक अड़चनों का समापन, घरेलू समस्याएं सुलझने की ओर, नवसमाचार की प्राप्ति।

वृश्चिक- योजना साकार होने की ओर, समझदारी से लिया गया निर्णय हितकर, मनोवांछित सफलता का सुयोग, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, अध्यात्म आस्था।

धनु- भाग्योदय का मार्ग प्रशस्त, नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला हल होने की ओर, उल्लासमय वातावरण, सुख के जरूरी साधन सुलभ, धा्मक गतिविधियों में रुचि।

मकर- व्यवधान से अशांति, व्यवसायिक असफलता, भौतिक सुख के साधन में कमी, स्वाध्याय के प्रति अरुचि, शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में, विवाद से अशांति।

कुम्भ- कठिनाइयों का निराकरण, सद्विचारों से आत्मिक शांति, उत्तरदायित्व का निर्वाह, अपने स्तर को बनाये रखने में अधिक व्यय, परिवार में मंगलकृत्य सम्पन्न।

मीन- चिरवांछित कार्यों में सफलता, दूसरों की सलाह से कामयाबी, प्रभावशाली हस्तियों से अपेक्षित सहयोग, कुछेक मसला सुलझने की ओर, धनागम का सुयोग।

जानसठ में नाले की पटरी टूटी, किसान की फसल जलमग्न

जानसठ, 07 सितम्बर (बु.)। जानसठ के सादपुर गांव में नाले की पटरी टूटने से किसान मेहरजूदीन की फसल पानी में डूब गई है। किसान ने इसकी शिकायत एसडीएम रश्मि लांबा से की है। किसान मेहरजूदीन ने एसडीएम को बताया कि नाले की पटरी टूटने के कारण पानी उनके खेतों में भर गया है। इससे उनकी फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई है। किसान ने आशंका जताई कि अगर जल्द पानी नहीं निकाला गया, तो फसल पूरी तरह खराब हो सकती है। पानी भरे रहने से फसल को लगातार नुकसान हो रहा है। उन्होंने टूटी पटरी की तुरंत मरम्मत और खेतों से पानी निकालने की मांग की है। एसडीएम रश्मि लांबा ने इस मामले पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात की। उन्होंने किसान को समस्या का समाधान करने का भरोसा दिया है। एसडीएम के भरोसे के बाद किसान को जल्द कार्रवाई की उम्मीद है। किसानों ने प्रशासन से नाले की पटरी की तुरंत मरम्मत कर खेतों से पानी निकालने की मांग दोहराई है।

सभासदों को एसडीएम ने समझाया

जानसठ, 07 सितम्बर (बु.)। एसडीएम रश्मि लांबा से वार्ता होने पर नगर पंचायत के 14 सभासदों ने सामूहिक रूप से डीएम को इस्तीफे सौंपने का अपना फैसला वापस ले लिया है। शनिवार की देर रात को ही बैठक करके सभासद मोहम्मद अहसान, विशाल सैनी, सुशील कुमार, रुबीना अब्दुल्ला कुरैशी, विकास गुप्ता, कुसुम सैनी, मन्शूर अंसारी, सविता देवी, सत्यपाल प्रजापति, अफसाना अंसारी, गौरव भटनागर, अफसाना मलिक, राजन कुमार और राष्ट्रीय लोकदल से नामित सभासद सुभाष चौधरी ने होर्डिंग्स हटाने से नाराज होकर डीएम के नाम सामूहिक इस्तीफे लिखकर चेयरमैन को सौंप दिए थे। सोमवार को एसडीएम रश्मि लांबा ने सभासदों और चेयरमैन डॉक्टर आबिद हुसैन से वार्ता की। वार्ता के बाद सभासदों ने डीएम को सामूहिक इस्तीफे सौंपने का फैसला वापस ले लिया। इस दौरान रालोद के उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री अजीत राठी भी मौजूद रहे।

प्रांतीय गणितीय मेले का भव्य समापन समारोह संपन्न

– दो दिवसीय गणितीय मेले में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की प्रतिभा

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, केशवपुरी में विगत दो दिनों से आयोजित विभागीय प्रांतीय गणितीय मेले का भव्य समापन समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मेले में बाल वर्ग, किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग के भैया-बहनों ने प्रश्न मंच, प्रयोग, पत्र वाचन एवं प्रदर्शन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रांत शैक्षिक प्रमुख महेश चंद्र शर्मा एवं विद्यालय के संरक्षक श्यामलाल बंसल ने संयुक्त रूप से प्रस्तावना प्रस्तुत की तथा कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद गुप्ता द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय कराया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि आशीष द्विवेदी, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज प्रतिनिधि जिला विद्यालय निरीक्षक, विशिष्ट अतिथि भूपेंद्र, विभाग प्रचारक लक्ष्मी नगर एवं टीकम, जिला प्रचारक लक्ष्मी नगर उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त जगवीर शर्मा, संभाग निरीक्षक, मेरठ प्रांत; कृष्ण पाल शर्मा, प्रांत संयोजक, वैदिक गणित; मुकेश चंद्र शर्मा, पूर्व प्रांत संयोजक, वैदिक गणित तथा महेश चंद्र शर्मा, प्रांत शैक्षिक प्रमुख, विद्या भारती मेरठ प्रांत सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष एवं संरक्षक श्यामलाल बंसल, प्रबन्धक अनिल सोबती, उपाध्यक्ष कुलभूषण बजाज, सदस्य निशाएवं प्रबंध समिति सदस्य कुलदीप गोयल भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में अपने विद्यार्थी जीवन को स्मरण करते हुए बताया कि वे स्वयं भी विद्या भारती के विद्यार्थी रहे हैं और यहीं से उन्हें शिक्षा के साथ संस्कार प्राप्त हुए। लगभग 30 वर्षो के बाद पुनः विद्या भारती के कार्यक्रम में सम्मिलित होने को उन्होंने अपने लिए विशेष अनुभव बताया। भूपेंद्र एवं टीकमने भी अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन अवसर पर प्रधानाचार्य गोविंद गुप्ता एवं प्रबंधक अनिल सोपती ने सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यार्थियों, आचार्य-आचार्या बहनों एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

फर्जी डॉक्यूमेंट से पासपोर्ट बनवाने के आरोप में बालकृष्ण बरी

देहरादून, 7 सितंबर (एजेंसी)। सीबीआई कोर्ट ने फर्जी डॉक्यूमेंट से पासपोर्ट बनवाने के मामले में पतंजलि के सीईओ आचार्य बालकृष्ण को बरी कर दिया। कोर्ट ने आज करीब डेढ़ दशक पुराने मामले में फैसला सुनाया। यह फैसला संदीप सिंह भंडारी की अदालत ने सुनाया। उक्क के अनुसार, बालकृष्ण ने पासपोर्ट बनवाने के लिए बरेली स्थित पासपोर्ट ऑफिस में खुर्जा के एक संस्कृत महाविद्यालय से जुड़े कथित फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र लगाए थे। मामले में उनके खिलाफ आपराधिक धाराओं और पासपोर्ट अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान आचार्य बालकृष्ण मौजूद रहे। आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अप्रैल 2011 में शिकायत मिली थी। इसके बाद उक्कने जून 2011 में प्रारंभिक जांच दर्ज की और जुलाई 2011 में एफआईआर दर्ज कर ली। सीबीआई का दावा था कि बालकृष्ण ने बरेली पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट बनवाने के लिए जो शैक्षणिक दस्तावेज लगाए थे, वे फर्जी थे। प्रस्तुत दस्तावेज बुलंदशहर (यूपी) के खुर्जा स्थित राधाकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय से जुड़े थे, जो सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी) से संबद्ध था। जांच एजेंसी ने शुरूआती दौर में इन प्रमाणपत्रों के रिकॉर्ड पर सवाल उठाए थे।

व्यापार संगठन द्वारा नेपाल आपदा पीड़ितों की सहायतार्थ खाद्य सामग्री चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप को सौंपी

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि की इकाई नमकीन एसोसिएशन द्वारा नगर पालिका चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप की उपस्थिति में प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी कृष्ण गोपाल मित्तल, प्रदेश मंत्री सरदार बलविंदर सिंह, जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी, जिलाध्यक्ष सर्राफा एसो. पवन वर्मा के नेतृत्व में नेपाल में हुई भारी त्रासदी से बेघर हुए लोगों की सहायता हेतु खाद्य सामग्री जिसमें 300 किलो चावल बासमती, 500 किलो आटा, 96 लीटर सरसों तेल की बोतले, ढाई सौ किलो नमक, 50 किलो नमकीन चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप को सौंपी गई। बुधवार को खाद्य सामग्री की एक बड़ी गाड़ी चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप द्वारा नेपाल पीड़ितों के लिए भेजी जाएगी। प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। नगर की जाएगी, उसी में व्यापार संगठन की नमकीन एसोसिएशन द्वारा भी खाद्य सामग्री का सहयोग किया गया है। चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप द्वारा कहा कि सेवा के प्रत्येक कार्यो में व्यापारियों का बढ़-चढ़ कर सहयोग रहता है। नेपाल पीड़ितों हेतु व्यापार संगठन द्वारा जो सहयोग किया गया है, वह बहुत ही पुण्य कार्य है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश युवा उपाध्यक्ष तरुण मित्तल, जिला युवाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, सभासद मनोज वर्मा, सभासद राजीव शर्मा, नगर कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप मित्तल, नमकीन एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील तायल, सुशील सिंघल, कार्तिक गोयल, नीरज सिंघल, जोगिंदर, प्रमोद दीपक, कार्तिक तायल, भाई रामकुमार, काका नमकीन, अंकुर गोयल, मन्नू नमकीन, मोहम्मद फुरकान, प्रदीप मित्तल, संदीप मित्तल,शोभित जैन उपस्थित रहे।

चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप द्वारा पहल करते हुए नेपाल आपदा पीड़ितों हेतु जो खाद्य सामग्री एवं जरूरत की विभिन्न वस्तुएं बुधवार को भेजी

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बेसहारा गोवंश गंभीर रूप से घायल, जेसीबी से भेजा गया गौशाला

जानसठ, 07 सितम्बर (बु.)। पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने एक निराश्रित पशु को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़ा। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर पंचायत जानसठ के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। घायल पशु की स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों ने मौके पर जेसीबी मशीन मंगवाई और सावधानीपूर्वक उसे रेस्क्यू कर उपचार हेतु कान्हा गौशाला भिजवाया। कान्हा गौशाला में पशु चिकित्साधिकारी डॉ. स्नेहल निर्वाल ने घायल गोवंश को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। डॉ. निर्वाल ने बताया कि हादसे में पशु के पैर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार दे दिया गया है और मंगलवार को उसके पैर पर प्लास्टर चढ़ाया जाएगा, जिसके बाद उसकी स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

मौलाना के घर हुई चोरी का मुकदमा दर्ज

मीरापुर, 7 सितम्बर (बु.)। परिवार के साथ बाहर गए मौलाना के घर में हुई 8 हजार की नकदी व पांच लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। मीरापुर के मौहल्ला मुश्तर्क निवासी मौलाना इरफान पुत्र हनीफ 27 अगस्त को परिवार के साथ बाहर गया था। जब वह 5 सितंबर को वापस लौटा, तो घर में सामान बिखरा हुआ पड़ा मिला, जिसके बाद उसने घर में लगे हुए कैमरे की फुटेज देखी तो एक दिन पूर्व चोर सुबह के समय छत पर लगे जंगले को उखाड़कर घर में घुसा और घर में बनी दुकान का गल्ला तोड़कर वहां से 8 हजार रुपए चोरी किए और इसके बाद घर के कमरे में रखे करीब पांच लाख रुपये की कीमत के जेवरात चोरी कर ले गया। सोमवार को पुलिस ने उक्त घटना का मुकदमा दर्ज कर लिया। इंस्पेक्टर राजीव शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कुत्ता सामने आने से बाइक सवार गंभीर घायल

मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर हादसा, परिजनों ने पुलिस को दी तहरीर

चरथावल, 07 सितम्बर (बु.)। मुजफ्फरनगर-सहारनपुर स्टेट हाईवे पर रोहाना चौकी क्षेत्र में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी बाइक के सामने अचानक एक कुत्ता आ गया था, जिससे यह हादसा हुआ। घायल युवक की पहचान देवड़ा, थाना ककरौली, जिला मुजफ्फरनगर निवासी सादिक पुत्र महमूद के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, सादिक अपनी मोटरसाइकिल से सहारनपुर की ओर से अपने गांव देवड़ा लौट रहा था। रोहाना चौकी क्षेत्र में स्टेट हाईवे पर अचानक एक कुत्ता उसकी बाइक के सामने आ गया। कुत्ते से टकराने के बाद सादिक की मोटरसाइकिल बेकाबू हो गई। वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल सादिक को इलाज के लिए मुजफ्फरनगर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने इस मामले में रोहाना चौकी पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की जानकारी जुटा रही है।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रात:कालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।

सम्पादक-अंकुर दुआ

(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840

(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929

सम्पादक-9412210257

E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2026

सम्पादक की क़लम से

उत्तर प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज

उत्तर प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो चली हैं। राजनेताओं के एक दूसरे पर कटाक्ष सामने आ रहे हैं। सियासी पार्टियां अपनी-अपनी बिसात सजा रही हैं। मोहरे तय किये जा रहे हैं। कहीं पोस्टर वार छिड़ी हुई है, कहीं मुद्दे घड़ने की कोशिशें हो रही हैं, कहीं मुद्दे लपकने की कोशिशे हो रहीं हैं। राज्य विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन राज्य में चल रही सरगर्मियों को देखकर ऐसा लगता है कि चुनाव में बस चन्द दिन ही रह गये हैं। राजनेताओं के एक दूसरे पर जो कटाक्ष हो रहे हैं, उनमें बहुत से कटाक्ष बहुत हल्का पन लिये हैं। सोशल मीडिया का सियासी दल और उनके समर्थक पूरी तरह उपयोग भी कर रहे हैं और कुछ दुरुपयोग भी कर रहे हैं। कुछ दलों में और उनके सहयोगियों में सीटों के बटवारें को लेकर सांकेतिक बयानबाजी भी चल रही है। कुछ दलों के विधायकों को टिकट कटने का डर सता रहा है, क्योंकि उनकी रिपोर्ट अच्छी नहीं है। पार्टियां ऐसे में अपनी लुटिया को डूबने से बचाने के लिये ऐसे विधायकों का टिकट काटने का मन बना रहीं हैं, जिनके कारण पार्टी की लुटिया डूब सकती है। अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के बीच छिड़ी जुबानी जंग कम होने नाम नहीं ले रही है। जयंत चौधरी ने एक बार फिर अखिलेश यादव को जी और जे के समीकरण में उलझाने का दावा किया और सहारनपुर की रैली को लेकर तंज कसते हुए कहा कि एक ही रैली में बौखलाहट सामने आ गई है। अखिलेश यादव के चवन्नी से रुपया बनाने वाले बयान के बाद से दोनों नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आ रहे हैं। जयंत चौधरी अपनी कई जनसभाओं में सपा पर सियासी हमला करते रहे है। चवन्नी वाला बयान अभी फजाओं में तैर रहा है। इस बयान को अब जयंत चौधरी ने नया सियासी हथियार बना लिया है, जिसे लेकर वो लगातार उन पर हमले कर रहे हैं। जयंत चौधरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर फिर अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया और निशाना साधा। उन्होंने कहा,मैंने तो सहारनपुर में कहा था, एबीसीडी की बात करने वालो को जी और जे में उलझा देंगे, एक रैली से ही बौखलाहट सामने आ गई। जयंत चौधरी ने सहारनपुर की रैली में लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि हमें ये नहीं भूलना चाहिए कि इन्होंने क्या शब्दावली का इस्तेमाल किया, जनता इन्हें जवाब देगी। जयंत चौधरी के इस बयान पर अखिलेश यादव ने भी बिना नाम लिए जवाब दिया और कहा कि जनता, बीजेपी और उनके साथियों का एक्स वाई जेड करने की ठान चुकी है। हकीकत तो ये है कि बीजेपी के खिलाफ उमड़ा देशव्यापी जनाक्रोश देखकर बीजेपी का हर साथी भाजपा से पल्ला छुड़ाना चाहता है। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में कोर्ट के आदेश के बाद अवैध निर्मित मस्जिद को ध्वस्त करने के प्रकरण पर अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार को घेरा है। अखिलेश यादव ने कल पार्टी कार्यालय में मीडिया को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा कि सहारनपुर में मजिस्द को हटाने के मामले में जिला कोर्ट के फैसले के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गुंजाइश थी। यहां न्याय मिल सकता था। किसी भी मामले में न्याय के लिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट है, तो फिर 12 या 13 घंटे में मस्जिद को गिराने की क्या जरूरत थी। अखिलेश यादव ने कहा कि ये सोची समझी साजिश है, जिसके तहत सरकार अधिकारियों के माध्यम से पूरे प्रदेश को सांप्रदायिक रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। इनके पास न महंगाई का काई जवाब है, न देने के लिए रोजगार है, न निवेश में ये सफल हुए हैं, न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई धमक बना पाए हैं, जो चीजें थी उनको ये बेच रहे हैं। अब नयी रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी अब लाल के साथ नीले रंग में भी नजर आएगी। समाजवादी छात्रसभा के कार्यकर्ताओं की टीशर्ट का रंग अब बदल गया है। टीशर्ट में साइकिल के साथ बाबा साहब की फोटो भी है। इससे पहले, हाल ही में अखिलेश यादव भी नीला गमछा डाले नजर आये थे। नीले रंग को दलितों और मायावती से जोड़कर देखा जाता है। बसपा का झंडा भी नीला है, माना जा रहा है कि अखिलेश यादव का ये कदम दलितों को रिझाने के लिए है। ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर अपने अंदाज में तीखा हमला बोलते हुए कहा कि घबराने की कोई बात नहीं है, हम समाजवादी पार्टी के लिए अकेले ही काफी हैं। ओमप्रकाश राजभर ने इसके साथ ही पाकिस्तान को लेकर कहा, पाकिस्तान पहले बहुत उछलता था, लेकिन जब से प्रधानमन्त्री ने सेना को छूट दिया है और सेना ने 100 किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकी ठिकाने को मारा है, तब से पाकिस्तान के होश ठिकाने हो गए हैं। इस वक्त दिक्कत दुश्मन को और विपक्ष को है आम जनता को कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हम समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को 8 से 9:00 बजे के बीच जगाते हैं और फिर उसी को वह पूरे दिन करते रहते हैं और फिर अगले दिन सुबह होता है, तो फिर दे देते हैं और वह उसी में निपट जाते हैं। ऐसे में वह ध्यान अपनी तरफ नहीं कर पाते हैं, पूरा दिन ध्यान हमारी तरफ रहता है। ओम प्रकाश राजभर ने सपा नेता से बातचीत की बात बताते हुए सपा पर हमला किया। बोले, एक बड़े समाजवादी पार्टी नेता द्वारा 2027 में सत्ता में आने का दावा किए जाने पर राजभर ने कहा कि मैंने उससे कहा था कि अगली पैदाइश की बात करो। अपने 10 सालों में आपने किया क्या है? यहां तो प्रधानमन्त्री और मुख्यमन्त्री ने बहुत सारे काम किए हैं। आप क्षेत्र और गांव में जाओगे, तब आपको पता चलेगा। राजभर ने आगे कहा कि राशन लेने वाले भी अब मोदी जी की बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि राशन मोदी जी दे रहे हैं, तो वोट भी हम उन्हीं को देंगे। सड़क पर चाहे जितना अखिलेश की भीड़ जुटा लीजिए गांव में जाएंगे, तब आपको समझ में आ जाएगा। मुजफ्फरनगर दंगों की बरसी के पोस्टर सहारनपुर में लगाये गये। अखिलेश यादव की तस्वीर वाले पोस्टर लगाए जाने से राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। पोस्टरों में 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़ी तस्वीरों के साथ अखिलेश यादव की फोटो लगाई गई थी और उस पर 'न भूले थे, न भूले हैं, न भूलेंगे' जैसे संदेश लिखे थे। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने पोस्टर हटवा दिए। हालांकि इन्हें किसने लगाया था और इसके पीछे क्या उद्देश्य था, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इन सब बातों से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश चुनावी मोड़ में आ गया है। धीरे-धीरे सियासी हलचलें बढ़ती ही जाएंगी।

चार तीर

सुनील उत्सव

'पाप' 'विलाप' 'छाप' 'आप'

पहले घड़ा बना दिया, जो था पूरा पाप,
फिर जब फूटा वो घड़ा, करने लगे विलाप।
एक जगह मत बांधिये, जगत है उसकी छाप,
इतना भी ना जानते, कण-कण में हैं आप।

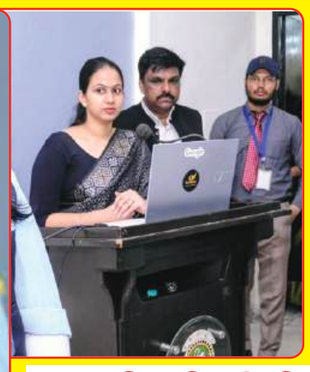

एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम बना जिले का पहला आधिकारिक इनक्यूबेटर

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। जानसठ रोड स्थित एस.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रांगण में एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त जिले के प्रथम एवं एकमात्र एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम के आधिकारिक प्रमाणपत्र के विमोचन, हाइब्रिड ई-रिक्शा और चैटबोट सारा के अवलोकन हेतु आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के वाइस चेयरमैन विनोद कुमार, एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम के डायरेक्टर अनुभव कुमार एवं संस्था के वाइस चेयरमैन विनोद कुमार, नीरज कुमार सचिव एस.डी. कालेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, हरिभूषण गुप्ता उपाध्यक्ष एस.डी. कालेज एसोसिएशन, अशोक सरीन चेयरमैन एस.डी. कालेज ऑफ लॉ, ध्रुव कुमार सचिव एस.डी.

एफएम रेडियो व कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गए इनोवेटिव हाइब्रिड ई-रिक्शा और चैटबॉट सारा का अवलोकन किया और छात्रों की तकनीकी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये कहा कि आज का दौर नवाचार और आत्मनिर्भरता का है, यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि मुजफ्फरनगर जिले के पहले और एकमात्र सरकारी मान्यता प्राप्त इंक्यूबेशन सेंटर की सफल शुरूआत हो चुकी है। हमारे युवाओं के पास विचारों की कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और मंच की आवश्यकता है। छात्रों द्वारा निर्मित हाइब्रिड ई-रिक्शा और चैटबॉट सारा यह साबित करते हैं कि हमारे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवा देश के तकनीकी भविष्य को गढ़ने में सक्षम हैं। एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम के डायरेक्टर अनुभव कुमार ने कहा कि यह अत्यंत गर्व और हर्ष का क्षण है कि हमारे इंक्यूबेशन फोरम को उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा इंक्यूबेटर के रूप में आधिकारिक पहचान मिली है। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और स्थानीय युवाओं में उद्यमिता की भावना को जागृत करना भी है। एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम के माध्यम से हम नए उद्यमियों को फाइनेंशियल ग्रांट, डिजाइनिंग, मार्केटिंग और हर संभव तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएंगे। यह पहल मुजफ्फरनगर और आसपास के क्षेत्रों में नवाचार और रोजगार सृजन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा। यहाँ हर उस विचार को पंख मिलेंगे, जिसमें समाज की किसी समस्या का समाधान छिपा हो। एस.डी.सी.ई.टी. इंक्यूबेशन फोरम हमारे स्थानीय युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और हमारे शहर को एक स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

बेटे पर जानलेवा हमला, बाप ने एसएसपी से लगाई आरोपियों की गिरफ्तारी की गुहार

मुजफ्फरनगर, 07 सितंबर (बुस.)। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम शेरपुर में दुकान पर बैठे युवक के साथ कथित रूप से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना-पत्र देकर आरोपियों की गिरफ्तारी, मुकदमे में धारा 109 बीएनएस की बढ़ोतरी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। ग्राम शेरपुर निवासी रहीस पुत्र अनीस ने एसएसपी को दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि 5 सितंबर की रात करीब 10 बजे उसका 23 वर्षीय बेटा अनस गांव में स्थित अपनी दुकान पर बैठा था।

आरोप है कि इसी दौरान गांव निवासी शकील पुत्र हारून दुकान पर पहुंचा और अनस के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। रहीस के अनुसार, शोर सुनकर अनस घर के अंदर चला गया, जिसके बाद आरोप है

कि हारून पुत्र शब्बीर, वकील पुत्र हारून और शकील पुत्र हारून भी घर में घुस आए और अनस, उसके भाई कलीम तथा बहन नौशाबा के साथ लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से मारपीट की। हमले में अनस के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश होकर गिर गया। कलीम व नौशाबा को भी चोटें लगने की बात कही गई है। प्रार्थना-पत्र में आरोप लगाया गया है कि हमलावर परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित पक्ष के अनुसार, मामले में थाना कोतवाली नगर में मुकदमा अपराध संख्या 384/2026 के तहत धाराओं 115(2), 110, 333, 352 व 351(3) बीएनएस में मुकदमा दर्ज है। रहीस ने एसएसपी से शिकायत करते हुए कहा कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और परिवार को लगातार धमकियां दे रहे हैं। घायल अनस का सरकारी अस्पताल में उपचार चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई गई है। पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से मुकदमे में धारा 109 बीएनएस की बढ़ोतरी, आरोपियों की गिरफ्तारी तथा अपने और परिवार के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। मामले में पुलिस कार्रवाई का इंतजार है।

डी.ए.वी. कॉलेज में एन.सी.सी. कैडेट्स के चयन हेतु शारीरिक एवं लिखित परीक्षा आयोजित

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। डी.ए.वी. कॉलेज में 82 यूपी बटालियन एन.सी.सी. के तत्वावधान में नए सत्र हेतु एन.सी.सी. कैडेट्स के चयन प्रक्रिया का सफल आयोजन किया गया। इस चयन प्रक्रिया के अंतर्गत विद्यार्थियों की शारीरिक एवं लिखित परीक्षा कराई गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अभूतपूर्व उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। यह संपूर्ण चयन प्रक्रिया एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वशिष्ठ के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चली इस मैराथन प्रक्रिया में कुल 76 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 43 छात्र तथा 33 छात्राएं शामिल रहीं। 82 यूपी बटालियन से आए सूबेदार अजीत सिंह, हवलदार नानक, हवलदार अवतार एवं क्लर्क विश्वेंद्र ने कड़ी निगरानी और पारदर्शिता के साथ सभी शारीरिक व लिखित परीक्षण पूरे कराए। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को एन.सी.सी. के मूल्यों, अनुशासन तथा राष्ट्र सेवा के प्रति जागरूक एवं प्रेरित भी किया गया।

स्कूटी हटाने को लेकर विवाद में मारपीट, मुकदमा दर्ज,तीन भाइयों का चालान

चरथावल, 07 सितम्बर (बु.)। ग्राम लुहारी खुर्द में घर के बाहर खड़ी स्कूटी हटाने को लेकर हुए विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन भाइयों को गिरफ्तार कर उनका शांतिभंग में चालान कर दिया।

चरथावल थानाक्षेत्र के ग्राम लुहारी खुर्द निवासी अब्दुल्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पांच सितंबर को कार से मुजफ्फरनगर जा रहा था। रास्ते में पड़ोसी सलमान के घर के बाहर स्कूटी खड़ी थी। अब्दुल्ला ने सलमान से स्कूटी हटाने को कहा। आरोप है कि इसी बात को लेकर सलमान ने उसके साथ मारपीट कर दी। शोर सुनकर अब्दुल्ला के पिता रिजवान भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इसके बाद कल्लू, शौकत और हकीकत पुत्रगण शीदा निवासी लुहारी खुर्द ने भी अब्दुल्ला और उसके पिता के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। आरोपितों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सलमान, कल्लू, शौकत और हकीकत के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मामले में पुलिस ने कल्लू, शौकत और हकीकत को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया। तीनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। दधेड़ू चौकी प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में चारों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया गया है।

फर्जी अस्पतालों पर कार्रवाई की मांग, सीएमओ से मिला शिवसेना प्रतिनिधिमंडल

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। जनपद में संचालित निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों में मानकों की अनदेखी तथा उपचार के दौरान होने वाली मौतों के मामलों को लेकर शिवसेना ने स्वास्थ्य विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को पश्चिम प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा के निर्देश पर शिवसेना जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार तेवतिया से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सीएमओ को जनपद में संचालित निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों से संबंधित विभिन्न शिकायतों से अवगत कराया। पदाधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर बिना निर्धारित मानकों के अस्पताल और सेंटर संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं, कुछ निजी अस्पतालों में उपचार के दौरान लगातार मौत होने के मामलों को लेकर भी लोगों में चिंता है। प्रतिनिधिमंडल ने ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। शिवसेना

पदाधिकारियों ने कहा कि जनपद में संचालित सभी निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों की नियमित जांच के साथ ही अचानक निरीक्षण कराया जाना चाहिए। जांच के दौरान पंजीकरण, चिकित्सकीय स्टाफ, भवन, उपकरण, अग्निशमन व्यवस्था, साफ-सफाई और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं समेत निर्धारित मानकों की पड़ताल की जाए, जो संस्थान मानकों को पूरा नहीं करते पाए जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से फर्जी तरीके से संचालित हो रहे अस्पतालों और सेंटरों को चिन्हित कर सील किए जाने की मांग रखी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार तेवतिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों और सेंटरों की जांच व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य जनपद में किसी भी ऐसे अस्पताल या सेंटर को संचालित नहीं होने देना है, जो निर्धारित नियमों और मानकों को पूरा नहीं करता। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के लिए स्वास्थ्य विभाग को लगातार निगरानी बनाए रखनी चाहिए। इस दौरान मुकेश त्यागी, राजीव गर्ग, उज्ज्वल पंडित, अरुण कुमार, विशाल नायक, कुलदीप नायक, रविंद्र चौहान, रोशन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर निकाली जागरूकता रैली, 12 सितंबर को होंगे निस्तारण

-सिविल, बैंक रिकवरी और पेटी ऑफेंसेस के मामलों की सुनवाई होगी

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर सोमवार दोपहर करीब 12 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली

के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर कराने की अपील की गई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित जागरूकता अभियान में अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बैनर और पोस्टर के माध्यम से लोगों को लोक अदालत की प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 12 सितंबर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल मामलों, समझौता योग्य आपराधिक मामलों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से जुड़े मामलों, पेटी ऑफेंसेस और बैंक रिकवरी से संबंधित मामलों का निस्तारण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य लोगों को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, जिन मामलों में कानूनी रूप से आपसी समझौते की गुंजाइश है, उनमें पक्षकार लोक अदालत के माध्यम से विवाद का समाधान करा सकते हैं। लंबित चालानों से जुड़े मामलों को लेकर भी लोगों को जानकारी दी गई। बताया गया कि संबंधित न्यायालय में प्रार्थना-पत्र देकर इन मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। वहीं, किसानों और अन्य लोगों के बैंक ऋण तथा बैंकिंग विवादों के समाधान के लिए विशेष बैंक लोक अदालत भी आयोजित की जाएगी। इसमें नियमानुसार उपलब्ध छूट का लाभ लिया जा सकता है। जागरूकता रैली के माध्यम से आमजन से अपील की गई कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। लंबे समय से लंबित मामलों को आपसी सुलह-समझौते के जरिए निस्तारित कराने का प्रयास करें, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो सके।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण-पत्र संख्या-3373, दिनांक 07.09.2016 में नियमों की जानकारी न होने के कारण पुत्र का नाम दर्ज नहीं कराया गया। मेरे पुत्र का वास्तविक नाम KRISH KUMAR SINGH है।
नाम पंजीकरण हेतु सम्बंधित विभाग में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

राजेन्द्र कुमार सिंह
गांव - दधेड़ू कलां, मुजफ्फरनगर
मो. 9917444713

पश्चिमी यूपी में कश्यप समेत पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व दिलाने का दावा

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। मुजफ्फरनगर में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक दलों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में मुजफ़्फरनगर की नई मंडी इलाके में सोमवार अपराह्न करीब 3 बजे निषाद पार्टी की ओर से मंडलीय स्तरीय बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संजय निषाद ने निषाद समाज को राजनीतिक रूप से एकजुट होने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह दलित और यादव समाज अपने झंडे और डंडे के साथ संगठित होकर चलते हैं, उसी तरह निषाद समाज को भी अपने झंडे और डंडे के साथ एकजुट होकर अपनी राजनीतिक ताकत मजबूत

करनी चाहिए। संजय निषाद ने पिछली सरकारों पर मछुआ समुदाय के अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले मछुआ समाज को उसके अधिकार और सम्मान नहीं मिल पा रहे थे, जबकि भाजपा सरकार ने मछुआ समुदाय के अधिकारों को सम्मान देने का काम किया है। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनने और उनके समाधान की दिशा में काम करने की बात भी कही गई। साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ स्तर पर संगठन की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की गई। संजय निषाद ने पूर्वांचल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां निषाद पार्टी के कई विधायक बने और समाज को राजनीतिक सम्मान दिलाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी निषाद पार्टी अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। इसमें कश्यप समाज समेत अन्य पिछड़े वर्गों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सम्मान दिलाने की बात कही गई। कैबिनेट मंत्री ने कार्यकर्ताओं को दलालों से सतर्क रहने और किसी के बहकावे में नहीं आने की नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ निषाद समाज को राजनीतिक रूप से मजबूत करने के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ानी होगी।

जाट महासभा ने की जाट सम्मेलन की जोर शोर से तैयारी शुरू

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बुस.)। जाट महासभा मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश की एक बैठक जिला अध्यक्ष के प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। आज की बैठक 27 सितंबर को होने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के अलंकरण समारोह की कौन-कौन क्या-क्या व्यवस्थाएं देखेगा, किस प्रकार इस कार्यक्रम को भव्य बनाया जाए, इस पर चर्चा हुई बच्चों की अंक तालिका तैयार करने की जिम्मेदारी शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संदीप मलिक, महामंत्री नीरज बालियान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विराज तोमर, उपाध्यक्ष परविंदर दहिया व राकेश बालियान को दी गई। इसी प्रकार खाने की व्यवस्था कौन देखेगा, इसमें भी कमेटी बनाई गई और अतिथियों का स्वागत करने के लिए क्या व्यवस्था रहेगी।

इस पर सभी के सुझाव लिए गए मेनूऔर वेन्यू निर्धारित किए गए। 27 सितंबर को होने वाला यह कार्यक्रम श्री राम कॉलेज परिक्रमा मार्ग पर आहूत किया जाएगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत रहेंगे। मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील तेवतिया व जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक जैस्मिन फौजदार रहेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनीता चौधरी, डॉ. लोकेंद्र बालियान, भरत बालियान, डॉ. कुसुम मोहन, अमित कुमार एमडी वसुंधरा रेजिडेंसी, सचिन राणा एमडी वेदांत ग्रुप, रामवीर सिंह गाजियाबाद उपस्थित रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता धर्मवीर बालियान ने की व संचालन जिला महासचिव जयवीर सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से यशपाल, विश्व बंधु, दीपक बालियान, नीरज बालियान, संदीप मलिक, विराज तोमर, बिट्टू सिखेड़ा, वेदवीर सहरावत, चंद्रवीर सिंह, चांदवीर अंतल, अमित तेजलहेड़ा, मनोज कूकड़ा, अनुज कुमार बागरा, श्रद्धा पाल शाहपुर, संजीव कुमार, अशोक काकरान, लाखन सिंह, रंतेज सिंह, रविंद्र प्रधान अथाई, विनीत रघुवंशी, यशपाल सिंह मेघाखेड़ी, मास्टर यशपाल सिंह, राहुल पवार, रमेश बालियान, ओमवीर सिंह, विपिन कुमार, हरीश कुमार, सत्येंद्र राठी, संजीव कुमार, गजेंद्र सिंह आदि सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

कॉलेज के टॉयलेट में छात्र घायल, अफवाह फैलने पर घटना स्थल का एसडीएम ने किया निरीक्षण

जानसठ, 07 सितम्बर (बु.)। गांव खलवाड़ा निवासी ओमवीर का 12 वर्षीय पुत्र अमन गांव मेहलकी के राजकीय इंटर कॉलेज में कक्षा-7 का छात्र है। सोमवार दोपहर को मध्यांतर के दौरान छात्र अमन अपने सहपाठियों के साथ टॉयलेट गया था। बताया गया कि वहां बच्चों के बीच हो रही शरारत के दौरान अचानक यूरिनल का पार्टिशन उखड़कर अमन के पैर पर गिर गया। भारी हिस्सा पैर पर गिरने से छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया था। कॉलेज के अध्यापकों ने आनन-फानन में घायल छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस दौरान क्षेत्र में यह अफवाह फैल गई कि कॉलेज की दीवार गिर गई है और कई बच्चे मलबे में दबे हैं। इस सूचना से प्रशासनिक अधिकारियों में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही एसडीएम रश्मि लांबा, नायब तहसीलदार बृजेश कुमार और पुलिस तुरंत कॉलेज पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

अंकित बालियान हत्याकाण्ड : करनाल जेल में बंद पंपू कोर्ट में नहीं हुआ पेश

- सुरक्षा कारणों का हवाला देकर करनाल जेल प्रशासन ने नहीं कराई पेशी
- अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 10 सितंबर की तारीख तय की

शामली/ कैराना, 07 सितंबर (बु.)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में सोमवार को अदालत में उस समय नया मोड़ आ गया, जब करनाल जेल में बंद आरोपी राकेश उर्फ पंपू को अदालत के आदेश के बावजूद पेश नहीं किया जा सका। शामली पुलिस की ओर से दाखिल किए गए बी-वारंट के आवेदन पर अदालत ने पंपू को रिमांड के लिए तलब किया था, लेकिन करनाल जेल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उसकी पेशी कराने में असमर्थता जताई। पेशी नहीं होने के बाद आरोपी की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी कराए जाने की मांग भी अदालत में रखी गई। मामले में अदालत ने अब अगली सुनवाई के लिए 10 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। अंकित बालियान हत्याकांड की जांच के दौरान शामली पुलिस ने करनाल जेल में बंद राकेश उर्फ पंपू को भी मामले में आरोपी बनाया है। पुलिस का कहना है कि हत्याकांड में उसकी भूमिका और उससे जुड़े संभावित पहलुओं की जांच की जानी है। इसी उद्देश्य से शामली पुलिस ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में बी-वारंट के लिए आवेदन दाखिल किया था। अदालत ने सोमवार को आरोपी को पेश करने के लिए करनाल जेल प्रशासन को आदेश जारी किए थे। निर्धारित तारीख पर राकेश उर्फ पंपू को अदालत में पेश नहीं किया गया। करनाल जेल प्रशासन की ओर से सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया। इसके बाद आरोपी की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेशी कराए जाने की मांग की गई। अब इस मामले में अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी। सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि उस दिन पंपू की पेशी किस माध्यम से होती है और बी-वारंट को लेकर अदालत क्या आगे की कार्रवाई करती है। शामली पुलिस

अंकित बालियान हत्याकांड के बाद दो और हत्या की धमकी वाले पोस्ट के बाद सिंगर राहुल पुट्टी का वीडियो भी वायरल

शामली/कैराना, 07 सितम्बर (बु.)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर सामने आए एक कथित धमकी भरे पोस्ट ने पुलिस-प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पोस्ट में दो और हत्याएं किए जाने की बात कही गई है। इस बीच हरियाणवी सिंगर राहुल पुट्टी का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने चर्चित गाने को लेकर सफाई देते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में राहुल पुट्टी का कहना है कि भरी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरे यार... वाला गाना मनोरंजन के लिए बनाया गया था और इसका उद्देश्य किसी गैंग का समर्थन करना नहीं था। राहुल वीडियो में यह भी कहते नजर आ रहे हैं कि सोशल मीडिया पर सामने आए पोस्ट से दो और हत्याओं का जिक्र होने के बाद वह अपने परिवार को लेकर चिंतित हैं। वीडियो में वह माफी मांगते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। पूरे घटनाक्रम के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या राहुल पुट्टी को भी किसी तरह की धमकी मिली है या वह संभावित खतरे को लेकर आशंकित हैं। हालांकि, इसकी स्वतंत्र पुष्टि पुलिस की ओर से आधिकारिक रूप से किसी धमकी की पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। अंकित बालियान की जांच में पुलिस कथित गैंग कनेक्शन और सोशल मीडिया पर सामने आई जिम्मेदारी वाली पोस्ट समेत कई पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में दो संदिग्ध आरोपियों को मुठभेड़ में ढेर किया जा चुका है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि दो और हत्या की कथित धमकी वाले पोस्ट और राहुल पुट्टी के वायरल वीडियो को पुलिस किस गंभीरता से लेती है? क्या पुलिस राहुल पुट्टी से संपर्क कर उनकी सुरक्षा संबंधी स्थिति की जानकारी लेगी और वायरल पोस्ट की जांच कर उसके पीछे मौजूद लोगों तक पहुंचेगी? सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री की सत्यता की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। ऐसे में पुलिस-प्रशासन की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

अंकित बालियान हत्याकांड में पंपू की भूमिका को लेकर जांच आगे बढ़ा रही है। पुलिस उससे पूछताछ करना चाहती है, ताकि मामले से जुड़े संभावित तथ्यों, संपर्कों और घटनाक्रम की कड़ियों को स्पष्ट किया जा सके। पुलिस की ओर से बी-वारंट की प्रक्रिया इसी जांच को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अपनाई गई है। हालांकि, पंपू की वास्तविक भूमिका और उससे जुड़े आरोप जांच व न्यायिक प्रक्रिया का विषय हैं, जिनका अंतिम निर्धारण अदालत में साक्ष्यों के आधार पर होगा। सोमवार को पेशी नहीं होने के बाद फिलहाल मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को निर्धारित की गई है। इस तारीख पर पंपू की पेशी, वीडियो कांफ्रेंसिंग और बी-वारंट से जुड़ी कार्रवाई को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

नगर पालिका के ठेकों में कमीशन व बंदरबांट के गड़े मुर्दे फिर उखड़ेंगे

- पूर्व अधिशासी अधिकारी द्वारा सभासद के खिलाफ लिखी गई चिट्ठी में दिए आरोपों की जांच के जिलाधिकारी ने दिए आदेश
- ठेकों में कमीशन से लेकर पालिका के पटलों से पैसा वसूली और धमकियां देने के आरोपों की जांच एडीएम प्रशासन करेंगे

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (बु.)। नगर पालिका के ठेकों में हेराफेरी और ठेकेदारों के साथ मिलीभगत कर निविदाएं हथियाने व झूठी शिकायतें कर पालिका के काम काज को प्रभावित करने के आरोपों को लेकर नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट पर प्रमुख सचिव नगर विकास जांच के आदेशों को लाल फाइल में दबाकर रखे जाने का खेल फिर खुलने वाला है। करीब एक साल से दबी इस रिपोर्ट पर कई बार शासन की ओर से भेजे गए रिमाइंडर भी दबा दिए गए। अब संयुक्त सचिव देवेश मिश्र के पत्र के बाद जिलाधिकारी ने दबाई गई चिट्ठियों और फाइलें निकलवाकर इसकी जांच कर आख्या देने के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन को कहा है। नगर पालिका में भ्रष्टाचार और ठेकों में गोलमाल को लेकर दबी शिकायतें एक बार फिर खुलकर सामने आ रही हैं। नगर पालिका परिषद की पूर्व अधिशासी अधिकारी ने शासन को भेजे परिपत्र में कहा था कि वार्ड-25 के सभासद राजीव कुमार शर्मा द्वारा पालिका में अप्रत्यक्ष रूप से ठेकेदारी करने पालिका के विभिन्न विभागों से आमन्त्रित निविदाओं में ठेकेदारों से मिलीभगत करने, निविदाओं को प्रभावित करने तथा जो निविदाएं उनके ठेकेदारों के माध्यम से प्राप्त नहीं होते उसकी झूठी शिकायत कर उनके विकास कार्यों प्रभावित करते हुए वित्तीय क्षति कराई जा रही है। इसमें कहा गया है कि पालिका द्वारा जनहित सुविधाओं/विकास कार्यों में सभासद राजीव कुमार शर्मा द्वारा किसी अन्य ठेकेदार के नाम से प्रतिभाग करते हुए कार्य स्वतः कराये जाते हैं तथा पालिका द्वारा उसका भुगतान कराते हुए सरकारी धन से स्वतः लाभ पास कर रहे हैं। उक्त सभासद का लंबे समय से पालिका के समस्त कार्यों में गहरा हस्तक्षेप रहा है तथा इनका हमेशा यही प्रयास रहता है कि पालिका के समस्त अधिकारी व कर्मचारी इनके अनुसार पालिका में कार्य करते रहें। पालिका के लगभग समस्त पटलों से इनके द्वारा मासिक रूप से पैसा प्राप्त किया जाता है तथा इनके द्वारा यह धमकी भी दी जाती है कि "यदि नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर में कार्य करना है तो मुझे मैनेज करना होगा क्योंकि मैं ही सम्पूर्ण बोर्ड हूँ तथा मैं जो प्रस्ताव चाहूँगा वो बोर्ड में पास कराऊँगा, जो मैं चाहूँगा वो करना पड़ेगा यदि मिलकर काम नहीं करोगे तो पालिका में टिकने नहीं दूँगा"। सभासद द्वारा खुल कर यह धमकी भी दी जाती है कि मेरे द्वारा ही शिकायत कर-कर के पूर्व के चैयरमैन की पावर सीज कराई गई थी तथा अब भी जब भी चाहूँ शिकायत कर-कर के किसी के विरूद्ध भी कार्यवाही करा सकता हूँ।

सभासद पर पालिका के टेंडर मैनेज करने का आरोप

इसी क्रम में नगरीय क्षेत्रान्तर्गत सुचारू पथ-प्रकाश व्यवस्था व्यवस्थित करने के उद्देश्य से मार्ग प्रकाश विभाग द्वारा विद्युत सामग्री आपूर्ति संबंधी निविदाएं आमन्त्रित की जाती हैं, परन्तु राजीव कुमार शर्मा, सभासद द्वारा मार्ग प्रकाश संबंधी समस्त निविदाओं को अपने हिसाब से मैनेज किया जा रहा है। इनके द्वारा निविदाएं आमन्त्रित किये जाने से पूर्व ही ठेकेदारों से

राज्य वित्त और पंद्रहवें वित्त आयोग के दो सौ कार्यों में भी बंदरबांट के आरोप

राज्य वित्त और पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत दो सौ कार्यों में भी बंदरबांट का मामला सामने आने पर उनके (ईओ) द्वारा 34 टेंडर निरस्त कर दिए गए। इसके बाद उनके खिलाफ उक्त सभासद द्वारा शिकायत बाजी शुरू कर दी गई क्योंकि निष्पक्ष कार्य से सभासद की कमाई प्रभावित हो रही थी। अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह ने उक्त कार्यों को आपराधिक श्रेणी का बताते हुए कार्यवाही की मांग की थी। इस पर तत्कालीन अनु सचिव संजय कुमार तिवारी ने पांच जून 2025 को जिलाधिकारी को भेजे पत्र में इन मामलों की जांच के लिए लिखा था। प्रशासन की फाइलों में इन जांच आदेशों को दबा दिया गया तो सभासद मौ.खालिद ने आरटीआई के जरिए इस पर जवाब मांगा। अब संयुक्त सचिव देवेश मिश्र ने डीएम को उक्त मामलों की जांच कराकर पंद्रह दिन में आख्या देने को कहा है। इसे लेकर आज सभासद जिलधिकारी से मिले। डीएम ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन को मामले की जांच कर कार्रवाई करने को कहा है।

कमीशन तय कर लिया जाता है। नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर परिक्षेत्र में सुचारू पथ-प्रकाश व्यवस्था के दृष्टिगत जैम पोर्टल के माध्यम से 3000 एलईडी स्ट्रीट लाईटों की आपूर्ति की निविदा दिनांक 27.07.2024 को आमन्त्रित की गई थी, आमन्त्रित निविदाओं में 130 ल्यूमिन प्रति वाट की लाईटों की आपूर्ति निर्धारित की गई थी। जिसमें मैसर्स एसएस एंटरप्राईजेज के नाम से सूर्या रोशनी लिमिटेड की निविदा न्यूनतम दिखाई गई, जिसका एल-1 भी आ गया था। मेरे चिकित्सा अवकाश से वापस आते ही मेरे पालिका आवास पर उक्त पत्रावली हस्ताक्षर का करने हेतु भेजी गई तथा बैंक डेट में अनुबंध पर हस्ताक्षर किये जाने का दबाव बनाया गया क्योंकि उस समय मीरापुर उपचुनाव के कारण आदर्श संहिता प्रभावित थी। बैंक डेट में हस्ताक्षर करने से मना किये जाने पर राजीव कुमार शर्मा, सभासद द्वारा मुझे (ईओ को) फोन पर धमकी दी गई। उपरोक्त 3000 एलईडी स्ट्रीट लाईटों की आपूर्ति निविदा के संबंध में पालिका के सभासद श्री देवेश कौशिक द्वारा अपने लैटर-पैड पर शिकायत कर जांच कराये जाने की मांग की गई थी। इस मामले की जांच के आदेश उनके द्वारा दिए गए थे। ईओ ने अपने पत्र में कहा कि उक्त सभासद द्वारा पार्किंग ठेकों में भी कर और किराया विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से सांठगांठ कर अपने चहेतों को ठेके दिलाए जाते थे। इसके ई टेंडर के निर्देश दिए जाने के बाद उक्त सभासद ने झूठी शिकायत की।

दिल्ली में सत्या निकेतन हादसे के मामले में 5 सस्पेंड

दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी के सत्या निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक हादसे के बाद प्रशासन सख्त एक्शन में आ गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली सरकार ने नगर निगम के 5 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड किए गए अधिकारियों में डिप्टी कमिश्नर, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर शामिल हैं। वहीं, हादसों का कारण बने भवन के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी सीएम रेखा गुप्ता ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट करके दी। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखते हुए स्पष्ट किया है कि इस घटना में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने पूरी दिल्ली में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने सत्या निकेतन और आसपास के इलाकों में चल रहे पेइंग गेस्ट और अन्य भवनों की सघन चेकिंग की जा रही है। नियम तोड़ने पाए जाने पर तुरंत सील किया जाएगा।

हैनीट्रैप में फंसाकर दुष्कर्म के मुकदमें दर्ज कराने वाले गिरोह की 3 महिलाओं समेत 5 पकड़े

बिजनौर, 7 सितंबर (एजेंसी)। दुष्कर्म व गैंगरेप के झूठे केस दर्ज कराकर रकम वसूलने वाले गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीन महिलाओं समेत पांच आरोपियों को पकड़ा गया है, जबकि तीन की तलाश जारी है। 10 अन्य संदिग्ध आरोपी भी पुलिस के रडार पर हैं। प्राथमिक जांच में अमरोहा और बिजनौर के अलग-अलग थानों में दर्ज कराए गए 11 झूठे केस सामने आ चुके हैं। एसपी केके बिश्नोई ने बताया कि कस्बा जलालाबाद निवासी मो. अभियंता मोहम्मद अहसान ने प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें कहा कि उसके खिलाफ दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराया गया है। अहसान के अलावा पांच अन्य लोगों ने भी इस तरह प्रार्थना पत्र दिए। इन छह प्रार्थना पत्रों की जांच एएसपी गौतम राय ने की। जांच में झूठी प्राथमिकी दर्ज कराने की बात सही निकली। स्वाट और शहर कोतवाली पुलिस ने गिरोह के सरगना जुल्फेकार उर्फ बब्बू लंगड़ा निवासी चांदपुर की चुंगी जन्नत कॉलोनी, अफजाल व कफील निवासी भागूवाला, गुड्डी निवासी लड़ापुरा बिजनौर, कुंती निवासी मोहल्ला कस्साबान और प्रीति निवासी बिजनौर को गिरफ्तार कर लिया। जबकि पारुल निवासी लड़ापुरा, रामकली निवासी बिजनौर और अन्नू निवासी मोहल्ला रेती किरतपुर की तलाश जा रही है। आरोपियों ने दुष्कर्म के झूठे मुकदमों में फंसाया और मुकदमा वापस लेने के लिए दो से तीन-तीन लाख रुपये तक की मांग की। पकड़े गए आरोपियों का चालान कर कोर्ट में पेश किया गया।

अतुल प्रधान को हाउस अरेस्ट किया, अजय राय गिरफ्तार

मेरठ, 7 सितंबर (एजेंसी)। सहारनपुर जा रहे सपा विधायक अतुल प्रधान को पुलिस ने मेरठ में हाउस अरेस्ट कर लिया। प्रधान जैसे ही अपने घर में कार पर सवार हुए। पुलिस ने आगे जीप खड़ी कर दी। विधायक ने कहा- आपके पास लाठी है। आप चलाओ, लेकिन हम जरूर जाएंगे। सपा विधायक आशु मलिक, सपा नेता शायान मसूद को भी पुलिस ने रोक दिया। सपा विधायक अतुल प्रधान और एएमआईएमआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता शादाब चौहान को उनके घरों पर पुलिस ने डिटेन किया है। दोनों के घरों पर रात से ही पुलिस तैनात है। सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान को शास्त्रीनगर स्थित उनके घर पर रोका गया है। सोमवार सुबह उनके घर पर सीओ समेत 20 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। वहीं, अक्टक्ट के राष्ट्रीय प्रवक्ता शादाब चौहान को किठौर स्थित उनके घर पर पुलिस ने डिटेन किया है। लखनऊ में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को गिरफ्तार कर लिया गया। विपक्षी डेलिगेशन के सहारनपुर पहुंचने को लेकर सपा सांसद इकरा हसन ने कहा- हम लोग रूट बदलकर किसी तरह से यहां पहुंचे हैं। जिन अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई हुई, वो मिलने से मना कर रहे हैं। सपा सांसद हरेंद्र मलिक कमिश्नर ऑफिस भी गए थे, लेकिन उन्हें वहां कोई अफसर नहीं मिला।

अयोध्या: 15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान करेंगे सीएम योगी

अयोध्या, 7 सितंबर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या में करीब 15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान करेंगे। राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में होगा। अयोध्या मंडल की 12 से 15 हजार कार्यकर्ताएं इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। सीएम अयोध्या में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे दोपहर 2:50 बजे जीआईसी मैदान पहुंचेंगे, यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शाम 4:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर रहने के बाद वे हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे।

ग्रामीण इलाकों में भी 25 दिन में सिलेंडर बुकिंग होगी : अभी 45 दिन में हो रही थी

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसी)। अब गांवों में भी लोग 25 दिन में गैस सिलेंडर बुक कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने ग्रामीण इलाकों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुक करने का 45 दिन का नियम खत्म कर दिया है। शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर रिफिल बुकिंग का अंतराल 25 दिन है। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को बताया कि सरकार ने सभी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को इस नए नियम को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने मंत्रालय का LPG सिलेंडर बुकिंग के नियमों में बदलाव का नोटिफिकेशन सोशल मीडिया पर शेयर किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने मंत्रालय का एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के नियमों में बदलाव का नोटिफिकेशन सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सुरेश गोपी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग के दौरान एलपीजी सप्लाई पर दबाव था। इसके चलते 9 मार्च 2026 को शहरी इलाकों में रिफिल बुकिंग का अंतर 25 दिन और 12 मार्च को ग्रामीण इलाकों में 45 दिन कर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि एलपीजी सप्लाई की मौजूदा स्थिति में सुधार हुआ है और पेंडिंग बुकिंग में कमी आई है। इसी वजह से केंद्र सरकार ने यह पाबंदी हटा दी है।

गले लगकर रोने वाले सीओ की गिरफ्तारी का आदेश

प्रयागराज, 7 सितंबर (एजेंसी)। प्रयागराज-कौशांबी बार्डर पर पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 14 लोगों की मौत मामले में कार्रवाई में जुटे कौशांबी के सीओ सत्येंद्र तिवारी की गिरफ्तारी का आदेश कोर्ट ने जारी किया है। सिराथू सर्किल के सीओ सत्येंद्र तिवारी विस्फोट में मरने वालों के परिजनों से गले लगकर रोते नजर आए थे। उनका वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। अब उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का आदेश भी सोशल मीडिया पर खूब चल रहा है।

सोशल मीडिया पर शक्तिवर्द्धक दवाओं के नाम पर फंसाने वाला गिरोह पकड़ा

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (बु.)। सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों को झांसे में लेकर शक्तिवर्धक आयुर्वेदिक दवाईयों के नाम पर धोखाधडी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों सात मोबाइल, एक थार गाडी, तीन एटीएम कार्ड व आयुर्वेदिक दवाइयां बरामद की है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विकसित ऑनलाइन प्रतिबिम्ब पोर्टल पर शिकायत मिली थी कि कुछ आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, यूट्यूब, फेसबुक एवं अन्य ऑनलाइन माध्यमों पर शक्तिवर्धक, आयुर्वेदिक अथवा देशी जड़ी-बूटी आधारित दवाओं के आकर्षक विज्ञापन प्रसारित कर विज्ञापनों के माध्यम से आमजन को कम कीमत, गुप्त उपचार एवं त्वरित लाभ का प्रलोभन

देकर संपर्क करने के लिए प्रेरित किया जाता था। ग्राहक द्वारा संपर्क करने पर साइबर अपराधी स्वयं को दवा विक्रेता अथवा चिकित्सकीय प्रतिनिधि बताकर विश्वास अर्जित करते थे। दवा भेजने के नाम पर अग्रिम भुगतान अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। उसके बाद उनके मोबाइल पर भुगतान का फर्जी बिल भेज देते थे। साइबर क्राइम थाना प्रभारी कर्मवीर ने मामले में अपनी टीम के साथ आरोपी सावेज व इस्लाम निवासीगण दाहा थाना दोघट बागपत हाल निवासी बुढ़ाना को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 7 मोबाइल, एक थार गाडी, तीन एटीएम कार्ड व आयुर्वेदिक दवाइयां बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है। आरोपियों के खिलाफ ठगी की सात शिकायते दर्ज है।

शाम ढ़लते ही साकेत कॉलोनी में महिला का कुंडल झपट ले गया लुटेरा

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बु.)। सोमवार की शाम साकेत कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब दो बहनें बातें करते ही अपने घर की ओर वापस लौट रही थी, तभी एक दुपहिया वाहन पर तेज रफ्तार से आते युवक ने महिला के कान का एक कुंडल पट लिया और फरार हो गया। जैसे ही यह सूचना परिवार को लगी तो पीड़ित महिला सरमिष्ठा के पति अजनेर सिंह घर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी मीडियो को देते हुए बताया कि कुछ देर पहले ही उनकी पत्नी उनकी साली के साथ सदर बाजार उनकी दुकान से खाना देकर वापस लौट रही थी, तभी शातिर लुटेरे ने उक्त घटना को अंजाम दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची और पूरे मामले की जांच करने में जुट गयी। फिलहाल लूट की इस घटना से क्षेत्र में हड़कम्प के हालात हैं।

देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में भरतिया कॉलोनी में महिला की मौत

- खून से सनी मिली घर के दरवाजे पर महिला की लाश

मुजफ्फरनगर, 07 सितम्बर (बु.)। देर रात लगभग एक बजे नई मंडी थाने के भरतीया कालोनी में एक महिला उषा संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली। आसपास के लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, तो घर के गेट पर ही महिला की खून सनी लाश मिल गयी। जानकारी करने पर पता चला कि महिला एलआईसी में काम करती थी और लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुई थी। महिला के बच्चे भी बाहर रहते हैं। माना जा रहा है कि गृहक्लेश के चलते महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया, जिससे उसके मुंह से खून निकला और वह गंभीर हालत में गेट के बाहर ही गिर गयी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला के पुत्रों को इसकी सूचना दे दी गयी है।

शेष समाचार : शाहपुर में...

आरोपी पति नदीम फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

सख्त हुई कोर्ट: छह महीने में दस मामले में 23 को फांसी की सजा सुनाई

मुजफ्फरनगर। फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने महज छह महीने में दस मामले की सुनवाई करते हुए अलग-अलग मामले में 23 लोगों को फांसी की सजा सुनाई है।

---

6 अप्रैल 2026 समीर हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। गत 15 अक्टूबर 2019 को 40 लाख रुपये के लेन-देन के विवाद में अधिवक्ता समीर सैफी की हत्या कर दी गई थी। दोषी सिंगोल अल्वी, सोनू उर्फ रिजवान और शालू उर्फ अरबाज को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। एक अन्य दोषी दिनेश को सात वर्ष की करावास की सजा दी गई थी

---

28 अप्रैल 2026 शेखर हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। भौराकलां के सिसौली निवासी शेखर की वर्ष 2019 में 70 हजार रुपये के लेन-देन के विवाद में हत्या कर दी गई थी। न्यायालय ने मुकेश, प्रदीप, संदीप और सोनू को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी।

---

30 मई 2026 राजेश देवी-हिमांशु हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र में वर्ष 2011 में राजेश देवी और उनके छह वर्षीय बेटे हिमांशु की हत्या के दोषी रईस उर्फ रहीस निवासी बरेली को मृत्युदंड सुनाया था।

---

20 जून 2026 राजेन्द्र सैनी हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। ककरौली निवासी राजेंद्र सैनी की वर्ष 2018 में हत्या कर शव को जलाने के दोषी रामकरण उर्फ सावन गिरी और गजेंद्र उर्फ गीलू को मृत्युदंड सुनाया गया।

---

2 जुलाई 2026 होमगार्ड रतिराम हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना मोड़ पर वर्ष 2020 में गश्त के दौरान होमगार्ड रतिराम की हत्या के दोषी दीपक को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई।

---

6 जुलाई राजबीर हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। वर्ष 2011 में किसान राजबीर सिंह हत्याकांड में दोषी सुनील, अनिल, अजीत और सूरज उर्फ काला को फांसी। गत 6 जुलाई को 16 साल पुराने तितावी के गांव मांडी के किसान राजवीर सिंह हत्याकांड में दोषी पूर्व प्रधान प्रमोद कुमार और उसके साथी सहदेव को फांसी की सजा सुनाई गई।

---

17 जुलाई राज सिंह हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। शामली जनपद के कुडाना गांव के पास किसान राज सिंह की लूट के बाद लाठी-डंडों से पीटकर और गोली मारकर गत 20 अगस्त 2011 को हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अभियुक्त बहावड़ी गांव निवासी अजीत, सूरत उर्फ काला, वहलना निवासी अनिल और देवरिया के घुसवा व रामपुर निवासी सुनील को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

---

12 अगस्त 2026 सालिम हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। गत नौ दिसबंर 1999 की रात्रि को ट्रैक्टर चालक हारूण का रजवाहे की पटरी से अपहरण कर लिया गया था। फिरौती को लेकर पत्र मिलने पर किसान पिता सालीम बदमाशों के बताए स्थान पर चला गया था। रकम मिलने पर हारूण को छोड़ दिया गया । बाद में गत 25 जनवरी 2000 को सालिम की हत्या कर दी गई थी।

---

13 अगस्त 2026 पवन हत्याकांड

मुजफ्फरनगर। जनपद शामली के कांधला थाना क्षेत्र के गांव भभीसा के वर्ष 2014 के चर्चित पवन हत्याकांड में अदालत ने रामवीर, राजीव उर्फ छोटू, राहुल उर्फ बोसी और हरेन्द्र को हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

ट्रांसफॉर्मर से टकराई कार, 3 दोस्त जिंदा जले : धमाके के बाद आग लगी, ड्राइवर सीट से चिपका मिला

लखीमपुर-खीरी, 7 सितंबर (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में ट्रांसफार्मर से टकराकर कार में आग लग गई। हादसे में कार सवार 3 दोस्त जिंदा जल गए। 3 झुलस गए। कार की टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाके जैसी आवाज हुई। बिजली के तार टूटकर कार पर गिरे और चिंगारी उठने लगी। देखते ही देखते कार में आग लग गई। सभी कार सवार अंदर ही फंस गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। थोड़ी देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम पहुंची। आग पर काबू पाया। तब तक आधी कार बुरी तरह से जल चुकी थी। ड्राइवर पूरी तरह जलकर सीट पर ही चिपक गया। बाकी 5 लोग बुरी तरह झुलस गए। वह जैसे-तैसे बाहर निकले, लेकिन झुलसे होने की वजह से सड़क पर ही तड़पते रहे। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 2 और लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि हादसा झपकी आने की वजह से हुआ। हालांकि, सही कारण जांच के बाद ही सामने आएगा। घटना जिला मुख्यालय से 8 किमी दूर खीरी थाना क्षेत्र के ओयल कस्बे में रात ढाई बजे हुई। कोतवाली सदर में शिव कॉलोनी निवासी आयुष

कुमार वर्मा कार से अपने 5 दोस्तों के साथ सीतापुर जा रहा था। रास्ते में ओयल कस्बे के पास उसकी कार बेकाबू हो गई। फुटपाथ क्रॉस कर नीचे खेत में उतरी और वहां रखे ट्रांसफॉर्मर से टकरा गई। हादसे में आयुष की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी डिंपल सिंह ने बिजली आपूर्ति बंद कराई और कार के शीशे तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकलवाया। घायलों को पुलिसकर्मियों ने निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, वहां पर डॉक्टरों ने ने आयुष (21), आकाश (19) और 26 शिवा (16) को मृत घोषित कर दिया। वहीं उत्कर्ष अमन वर्मा और पीयूष सिंह का इलाज जारी है। शिव कॉलोनी निवासी पीयूष सिंह, अमन वर्मा, शिवा सिंह, पिपरिया बाईपास निवासी आकाश वर्मा और राजापुर निवासी शिवा सिंह बुरी तरह झुलस गए। सभी घायलों का जिला अस्पताल ओयल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान आकाश और शिवा ने भी दम तोड़ दिया। बाकी 3 हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

बागड़ जा रहे तेरह श्रद्धालुओं की मौत, 30-मीटर तक बिखरीं लाशें

- बागपत में एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप कई मीटर घिसटी

बागपत, 7 सितंबर (एजेंसी)। बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ। सीएम योगी ने हादसे में जनहानि पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। हादसे में मरने वालों में साधु (60), उनकी पत्नी मुन्नी देवी (55) और उनके भाई प्रेम सिंह (40) शामिल हैं। इसके अलावा गांव के ही सुगड़पाल (40), रामेश्वर यादव (60), जितेंद्र (7) की भी मौत हो गई। वहीं, मेरठ मेडिकल कॉलेज में कुल 19 मरीज ले जाए गए। इनमें 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रेमवती (50), दीक्षा (2), भानुमति (52) और 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति के रूप में हुई है। इलाज के दौरान मूर्ति (35) और सौरव (4) की भी मौत हो गई।

250 साल पुराना हो सकता है सहारनपुर कलेक्ट्रेट में मस्जिद के नीचे मिला कुआं

- एएसआई अफसर मस्जिद के नीचे मिले कुएं में उतरे : स्ट्रक्टर को बताया उत्तर मध्यकालीन

सहारनपुर, 7 सितंबर (एजेंसी)। कलेक्ट्रेट परिसर में ढहाई गई मस्जिद के नीचे मिले कुएं की जांच के लिए सोमवार सुबह अरक की टीम पहुंची। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 3 अफसर दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। कुएं के अंदर उतरकर जांच की। फीता डालकर उसकी गहराई मापी। एएसआई अफसर ने कहा- कुआं 200 से 250 साल पुराना हो सकता है।

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण के बाद नीचे मिली करीब 20 फीट गहरी संरचना की जांच के लिए सोमवार को लखनऊ से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहायक पुरातत्व अधिकारी मनोज कुमार यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने सीढ़ी के जरिए संरचना के अंदर उतरकर करीब 10 मिनट तक निरीक्षण किया। बाहर आने के बाद उन्होंने प्रथम दृष्टया इसे उत्तर मध्यकालीन वास्तुकला से संबंधित लखौरी ईंटों से बनी कुएं जैसी संरचना बताया। मनोज कुमार यादव ने कहा कि वे माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सामने आई इस संरचना के निरीक्षण के लिए विभाग की ओर से पहुंचे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समय संरचना की पूरी तरह पहचान करना संभव नहीं है, क्योंकि इसके अंदर मलबा भरा हुआ है। हालांकि, प्रथम दृष्टया इसकी बनावट कुएं जैसी दिखाई दे रही है। अधिकारी के मुताबिक, यह संरचना मौजूदा सतह से करीब 20 फीट नीचे है और इसका व्यास लगभग तीन फीट है। इसमें इस्तेमाल हुई ईंटें लखौरी ईंटें हैं। उन्होंने बताया कि संरचना में लगी ईंटों का आकार लगभग 20.105 सेंटीमीटर के आसपास है। संरचना के ऊपरी हिस्से में करीब तीन फीट का मिट्टी और अन्य सामग्री का डिपॉजिट मिला है।

अधिकारी ने बताया कि ऊपर की तरफ करीब तीन फीट की गहराई पर एक मोल्डेड ईंटनुमा संरचना भी मिली है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ईंट को काटकर गोलाकार रूप दिया गया था। संरचना के संबंध में मौके पर जो चीजें प्रत्यक्ष दिखाई दे रही हैं, उनके आधार पर ही फिलहाल इसका आकलन किया जा रहा है। एएसआई अफसर ने कहा- सहारनपुर का इतिहास बहुत समृद्ध है। यहां वैदिक काल से लेकर हड़प्पा काल और बाद के विभिन्न राजवंशों से जुड़े मानव निवास के प्रमाण मिलते हैं। सहारनपुर में अलग-

अलग कालखंडों की मानवीय संस्कृतियों के अवशेष जमीन के भीतर मिल सकते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल संभावना के आधार पर इस संरचना को शाहजहां कालीन नहीं बताया जा सकता। इसके लिए कोई प्रमाणिक सामग्री, जैसे सील, सिक्का अथवा अन्य प्रामाणिक पुरातात्विक साक्ष्य मिलना जरूरी होगा। संरचना के मंदिर अथवा किसी अन्य धार्मिक स्थल से जुड़े होने के सवाल पर अधिकारी ने कहा कि जब तक कोई प्रमाणिक साक्ष्य नहीं मिलता, तब तक इसके बारे में कुछ भी कहना उचित नहीं होगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि संभावनाओं में इतिहास नहीं लिखा जा सकता। पुरातात्विक निष्कर्ष प्रमाणों के आधार पर ही निकाले जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मौके पर फिलहाल किसी मंदिर अथवा अन्य भवन की स्पष्ट संरचना दिखाई नहीं दे रही है। प्रत्यक्ष रूप से जो दिखाई दे रहा है, वह कुएं जैसी संरचना है।

युवक की अज्ञात हमलावरों पर हत्या करने का आरोप

शाहपुर, 07 सितम्बर (बु.)। थाना क्षेत्र के गांव हरसौली निवासी खेत में ज्वार लेने गए एक 22 वर्षीय घायल युवक ने उपचार हेतु दिल्ली ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। परिजनों ने युवक की अज्ञात हमलावरों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। थाना क्षेत्र के गांव हरसौली निवासी 22 वर्षीय मृतक युवक शाकिब के परिजनों ने बताया कि शाकिब पांच सितंबर की शाम करीब चार बजे गांव में ही खेत से ज्वार लेने गया था। शाम करीब साढ़े छह बजे ग्रामीणों ने परिवार के सदस्यों को सूचना दी कि शाकिब घायल अवस्था में खेत पर पड़ा है। सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे और पुलिस को सूचना देने के साथ मुजफ्फरनगर अस्पताल में भर्ती कराया चिकित्सकों ने उसकी गम्भीर हालत के चलते मेरठ रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि चिकित्सको ने घायल को दिल्ली रेफर कर दिया। दिल्ली ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई और वह उसे मृत अवस्था में वापस मुजफ्फरनगर ले आए। सूचना पर पुलिस मुजफ्फरनगर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक के पिता मुस्तकीम, भाई राकिब व दादी कोलकाता रिश्तेदारी में गए हुए थे। सूचना पर वह सोमवार को मुजफ्फरनगर पहुंचे, जिसके बाद

पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि मृतक के सिर व छाती पर नुकीले हथियार से वार किए गए थे। परिजनों ने अज्ञात आरोपियों पर उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नही है और मृतक व उसका पिता व अन्य परिजन मजदूरी करते हैं। ग्रामीण ने बताया कि मृतक तीन भाइयों में मझला था। पोस्टमार्टम के बाद मृतक युवक का शव गांव में पहुंचा तो माहौल गमगीन हो गया और मृतक के घर पर ग्रामीण एकत्रित हो गए। परिजनों ने गमगीन माहौल में मृतक के शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया। सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि घटना के सम्बंध में अभी तक तहरीर नही दी गई है। तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।